हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● मंगलवार ● 30.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 333 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

दो जुलाई को होगी झारखंड कैबिनेट की बैठक

रांची : झारखंड मंत्रिपरिषद की अगली बैठक दो जुलाई को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में होगी। बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य सरकार के कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार कर निर्णय लिया जाएगा। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी। विभाग के अनुसार, बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मंजूरी के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे। हालांकि, कैबिनेट का विस्तृत एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 15 जून को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार ने 23 प्रस्तावों को मंजूरी दी थी।

मुख्यमंत्री ने इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित 1,042 सहायक आचार्यों के बीच बांटे नियुक्ति पत्र

नई पीढ़ी का बौद्धिक विकास सहायक आचार्यों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- सरकारी विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों को क्वालिटी एजुकेशन प्रदान करना प्राथमिकता
- नव नियुक्त सहायक आचार्य हैं राज्य की बौद्धिक संपदा, दुर्गम क्षेत्रों में संभालें शिक्षा का मोर्चा
- शिक्षकों के ज्ञान, व्यवहार और कार्यशैली से राज्य के बच्चों का भविष्य तय होगा
- मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय ने बदली धारणा

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को कहा कि राज्य के नव नियुक्त सहायक आचार्यों के कंधों पर केवल शिक्षण कार्य की नहीं, बल्कि झारखंड की भावी पीढ़ी के भविष्य निर्माण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य का बौद्धिक विकास किस दिशा में आगे बढ़ेगा और नई पीढ़ी अपने पैरों पर किस प्रकार मजबूती से खड़ी होगी, यह काफी हद तक शिक्षकों की भूमिका पर निर्भर करेगा।

मुख्यमंत्री रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों के नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का दायित्व सौंपा है। हेमन्त सोरेन ने कहा कि शिक्षक समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके ज्ञान, व्यवहार और कार्यशैली से बच्चों का व्यक्तित्व और राज्य का भविष्य तय होता है। उन्होंने कहा कि झारखंड को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने की जिम्मेदारी अब नव नियुक्त शिक्षकों की है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी संस्थानों को लेकर उठने वाले सवालों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की जिम्मेदारी राज्य के सवा तीन करोड़ लोगों के प्रति है। इसमें अधिकारी, कर्मचारी, किसान, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और विद्यार्थी सभी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियां निभा रही है, लेकिन एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। यदि सभी लोग बेहतर नागरिक बोध (सिविक सेंस) के साथ काम करें, तो व्यवस्था में व्यापक सकारात्मक बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री ने नव नियुक्त शिक्षकों से कहा कि वे सरकार की "आंख, कान और हाथ" बनकर कार्य करें। झारखंड की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना शिक्षकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने बच्चों की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि राज्य के किसी भी विद्यालय से बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, हिंसा या अमानवीय व्यवहार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसे मामले सामने आते हैं तो सरकार कानून के तहत कठोर कार्रवाई करने में कोई संकोच नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सोरेन ने सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने वाली घटनाओं का उल्लेख करते हुए शिक्षकों से बच्चों के प्रति संवेदनशील, जिम्मेदार और मानवीय व्यवहार अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज के समय में किसी व्यक्ति की पहचान उसकी जाति या धर्म से नहीं, बल्कि उसकी क्षमता, दक्षता, कार्य और विचारों से होती है। इसलिए शिक्षकों को समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की भूमिका निभानी चाहिए।

पलामू में रहस्यमयी बीमारी से 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : झारखंड के पलामू जिले के पड़वा प्रखंड स्थित सिक्का गांव में रहस्यमयी बीमारी से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार तड़के रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में इलाज के दौरान नकुल महतो की मौत हो गई। इसके साथ ही पिछले 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान जा चुकी है। परिवार के अन्य सदस्य अब भी रिम्स में भर्ती हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में सबसे पहले 19 जून को कुलदीप महतो की मौत हुई थी। इसके बाद 20 जून को उनकी बेटी बबीता कुमारी, 26 जून को दूसरी बेटी इंदु कुमारी, 28 जून को बहू श्वेता कुमारी और 29 जून को बेटे नकुल महतो की मौत हो गई। श्वेता और नकुल ने रिम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ा, जबकि कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, एक बेटा और एक पोता अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बीमार होने के बाद परिवार ने चिकित्सकीय उपचार के बजाय लंबे समय तक झाड़-फूंक का सहारा लिया। कुलदीप महतो और उनकी बेटी की मौत के बाद भी परिवार इलाज कराने के बजाय लेस्लीगंज के पूणाडीह क्षेत्र में झाड़-फूंक करवाता रहा। जांच में यह भी सामने आया है कि परिवार के सदस्य लंबे समय से किसी प्रकार की राख का सेवन कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिक्का गांव और पूणाडीह पहुंचकर उस राख के नमूने एकत्र किए हैं, जिसका सेवन परिवार कर रहा था। साथ ही परिवार के खान-पान और अन्य संभावित कारणों की भी विस्तृत जांच की जा रही है।

जिले के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने परिवार को चार बार इलाज के लिए रेस्क्यू किया था, लेकिन वे बार-बार झाड़-फूंक का सहारा लेते रहे। उन्होंने कहा कि राख के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं और पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। पाटन के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि रिम्स में पांचवीं मौत के बाद जांच और तेज कर दी गई है। विशेषज्ञों की टीम गांव पहुंचकर लोगों के खान-पान, रहन-सहन और अन्य संभावित कारणों की जानकारी जुटा रही है। इस बीच मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डॉ. आर.के. रंजन ने बताया कि मृतकों के पोस्टमार्टम के दौरान विसरा सुरक्षित रख लिया गया है, जिसे पुलिस फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) जांच के लिए भेजेगी। उन्होंने आशंका जताई कि मामला ड्रॉप्सी बीमारी से भी जुड़ा हो सकता है।

एक नजर

सिकरी में आज श्रद्धा, आस्था और संस्कृति का संगम

बड़कागांव: बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सिकरी में आज मंगलवार को पारंपरिक आस्था, श्रद्धा और उत्साह के साथ मंडा पूजा का आयोजन किया जाएगा। पूजा को लेकर गांव में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगेगी और विधि-विधान के साथ भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी ।मंडा पूजा के दौरान श्रद्धालु क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और परिवार की मंगलकामना के लिए पूजा-अर्चना करेंगे। इस अवसर पर गांव में मेले का भी आयोजन किया जाएगा, जहां आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। मेले में लोगों के मनोरंजन के लिए आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम छऊ नृत्य का विशेष आयोजन किया गया है। पारंपरिक लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने वाला यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण रहेगा। समिति ने पूरी की तैयारियां आयोजन समिति ने पूजा एवं मेले को शांतिपूर्ण और सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। गांव में इस उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

स्वर्वेद महामंदिर प्रांगण में एकल ब्यास को ब्रह्मविद्या से जोड़ भेंट की स्वर्वेद सद्ग्रंथ

बरही : स्वर्वेद महामंदिर के प्रांगण में कृष्णा कुमार गुप्ता, उपदेष्टा बरही हजारीबाग के द्वारा प्रेम दांगी, एकल विद्यालय व्यास को ब्रह्मविद्या विहंगम योग की ज्ञानधारा से जोड़ा गया। साथ ही उन्हें स्वर्वेद सद्ग्रंथ भी प्रदान किया गया। स्वर्वेद सद्ग्रंथ की व्याख्या करते हुए बताया गया कि यह विहंगम योग के प्रवर्तक सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज द्वारा रचित आध्यात्मिक ग्रंथ है। इसमें 3132 दोहों के माध्यम से आत्मा, परमात्मा, ब्रह्मविद्या और योग साधना के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में समझाया गया है। स्वर्वेद का अर्थ है-स्वयं के द्वारा जाना गया वेद अर्थात आत्मानुभूति का ज्ञान। यह ग्रंथ वेदों, उपनिषदों और गीता के सार को समेटे हुए ध्यान-समाधि की विधि बताता है। स्वर्वेद महामंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित है। यह उमरहा, वाराणसी-प्रयागराज मार्ग पर बना विश्व का विशालतम ध्यान-योग केंद्र है।

जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का आह्वान

हजारीबाग : संघ कार्यालय हजारीबाग में वीणा उरांव और जिला अध्यक्ष कैलाश पति सहाय की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में दिल्ली के लाल किला मैदान में 24 मई को हुए जनजाति समागम 2026 की चर्चा की गई। जिसमें देशभर के 500 से अधिक जनजातीय समुदायों के लाखों लोग शामिल हुए। वक्ताओं ने जनजातीय समाज को भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्राचीन स्वरूप बताया और जल जंगल जमीन की रक्षा का संकल्प दोहराया। जनजाति सुरक्षा मंच ने धर्मांतरण और आरक्षण को लेकर लंबित मांग पर सरकार से शीघ्र निर्णय का आग्रह किया। बैठक में सोमा उरांव, संदीप उरांव, मनोज, दिनेश मुण्डा, महादेव, रुसु मुण्डा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में 2477 बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, डीएस ने अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की

अनुमंडलीय अस्पताल में संसाधन के अनुसार जांच एवं इलाज की समुचित व्यवस्था : डॉ ज्ञानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल में सभी बीमारियों का इलाज उपलब्ध है। डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इधर कुछ दिनों से कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से बिना सच्चाई जाने अस्पताल की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से दुष्प्रचार कर रहे हैं जो सही नहीं है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में लगभग सभी तरह की बेसिक जांच एवं इलाज की जा रही है।

डॉ मयंक के द्वारा हड्डी से संबंधित बीमारी का इलाज निःशुल्क हो रहा है। महिला चिकित्सक द्वारा महिला मरीजों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल में प्रसव की पूर्ण व्यवस्था है। जरूरत के अनुसार सिजेरियन से भी प्रसव कराया जाता है जो पूर्णतः निःशुल्क है। सरकार के निदेर्शानुसार टीबी, मलेरिया, कुष्ठ सहित कई तरह का कार्यक्रम आयोजित कर लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। 24७ की सेवाएं उपलब्ध है। कुपोषित बच्चों का बेहतर इलाज हो रहा है। इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध है। हरेक मरीज को रेफर नहीं किया जाता है। बल्कि जो गंभीर बीमारी या गंभीर रूप से घायल मरीज होते हैं उन्हीं को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया जाता है। डीएस ने बताया कि अस्पताल में दवाओं की कोई कमी नहीं है। जो दवा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है वह हमेशा उपलब्ध रहती है। कहा डॉ प्रवीण कुमार, डॉ अंकुर विहान के द्वारा दंत चिकित्सा की व्यवस्था है। इसके साथ ही फिजियोथैरेपी, नेत्र जांच , एक्सरे आदि की भी व्यवस्था है। बरही अनुमंडलीय अस्पताल जिले के बेहतर सरकारी अस्पतालों की गिनती में आता है। डीएस ने कहा कि इधर कुछ दिनों से कुछ यूट्यूबर लोग बिना सच्चाई जाने अस्पताल की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया के माध्यम से गलत जानकारी दे रहे हैं जो पूर्णतः गलत है। सोशल मीडिया में झूठी एवं भ्रामक जानकारी नहीं डालनी चाहिए। डीएस ने आम जनता से अपील की है कि स्वास्थ्य संबंधित किसी भी तरह की समस्या होती है तो उनसे सीधे संपर्क कर सकते हैं। अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की भी उन्होंने अपील की है।

एनटीपीसी की हैवी ब्लास्टिंग से गिरी घर की छत, बाल-बाल बची महिला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह कोल माइंस में हो रही हैवी ब्लास्टिंग ने एक बार फिर ग्रामीणों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को डाड़ी कलाँ गांव में हुई जोरदार ब्लास्टिंग के दौरान मो० असलम पिता स्व. अजीज मियां के मकान की छत का हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। उस समय घर के आंगन में महिला बर्तन धो रही थीं। अचानक छत गिरते देख वे किसी तरह जान बचाकर हट गईं। कुछ पल की देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ब्लास्टिंग इतनी तीव्र थी कि पूरे गांव में भूकंप जैसा कंपन महसूस हुआ। धमाके से कई घरों की दीवारें और छतें हिलने लगीं, जिससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोल माइंस में निर्धारित मानकों की अनदेखी कर अत्यधिक क्षमता से ब्लास्टिंग की जा रही है। इसके कारण डाड़ी कलाँ सहित आसपास के गांवों के कई मकानों में पहले भी दरारें पड़ चुकी हैं। अब छत गिरने की घटना ने लोगों की चिंता और

बढ़ा दी है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ब्लास्टिंग की तीव्रता पर नियंत्रण नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि क्या कोयला उत्पादन की दौड़ में मानव जीवन की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है उनका कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो प्रभावी पहल की जा रही है और न ही ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन से मांग की है कि घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ब्लास्टिंग के मानकों की समीक्षा की जाए तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल लागू किए जाएं।

मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन, 61 युवक-युवतियों का हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र पीपल ट्री वेंचर्स मेगा स्किल्स सेंटर आरएन वाई एम कॉलेज बरही में सोमवार को एक भव्य मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 90 युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 61 अभ्यर्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी के लिए चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम स्थल पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए गए। इस अवसर पर Ather Energy Limited, SP Apparels, एवं SSCM Garments सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। कंपनी प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों को उपलब्ध पदों, वेतन, कार्यप्रणाली, करियर ग्रोथ

तथा अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद योग्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर उनका चयन किया गया। कार्यक्रम में प्लेसमेंट मैनेजर राकेश किस्कू, सेंटर मैनेजर राहुल कुमार, ऑपरेशन मैनेजर दिलीप गुप्ता तथा मेगा स्किल्स सेंटर के सभी प्रशिक्षक उपस्थित रहे। सभी कंपनी प्रतिनिधियों ने चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। केंद्र प्रबंधन ने बताया कि मुख्यमंत्री सारथी योजना का उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ना एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए समय-समय पर प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए जाते हैं ताकि अधिक से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

कर्णपुरा महाविद्यालय में पूर्व संध्या पर हुल दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय बड़कागांव के सेमिनार हॉल में पूर्व संध्या पर हुल दिवस मनाया गया । यह कार्यक्रम इतिहास विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया मुख्य अतिथि प्रोफेसर ज्योति जलधर एवं अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो ने किया ।

मुख्य अतिथि ने कहा की संथाल विद्रोह 1855 - 56 में झारखंड के दामिन ए कोह क्षेत्र में हुआ था। इसका नेतृत्व सिद्धू कान्हू चांद और भैरव ने ब्रिटिश अधिकारियों जमींदारों और दिकुओं के विरोध किया। संथालों ने स्वतंत्रता की घोषणा की लगान देने से इनकार किया और करो या मरो अंग्रेज हमारी धरती छोड़ो का नारा दिया प्राचार्य डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो ने कहा कि हुल दिवस का मुख्य

उद्देश्य दमनकारी जमींदारी व्यवस्था को समाप्त करना एवं अंग्रेज तथा स्थानीय जमींदारों द्वारा किए जा रहे शोषण से मुक्ति प्राप्त करना था संचालन इतिहास विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ सुरेश महतो ने किया एवं कहा कि यह विद्रोह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की दमनकारी नीतियों जमींदारों और स्थानीय साहूकारों द्वारा संथाल आदिवासियों की भयानक आर्थिक शोषण के खिलाफ था शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा हुल दिवस पर प्रकाश डालें ।कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक डॉ निरंजन प्रसाद नीरज, प्रोफेसर नरेश कुमार दांगी, प्रोफेसर फजरूद्दीन अहमद, डॉक्टर अनु कुमारी, डॉ रंजीत प्रसाद, प्रोफेसर ऋतुराज दास, डॉक्टर पवन कुमार, डॉ ललिता कुमारी, प्रोफेसर रामकिशोर प्रसाद दांगी, नेमधारी, अनिता कुमारी, धनेश्वर महतो, कैलाश कुमार महतो, रोहित कुमार ,सुनील महतो ,मनीषा कुमारी ,मधु मां कुमारी,नीतू कुमारी ,कशु कुमारी, पूनम कुमारी, अनिशा कुमारी, उर्मिला कुमारी व अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

हूल दिवस पर सागवान के पत्ते पर आमंत्रण देकर सांसद को दिया गया पारंपरिक न्योता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हूल दिवस के पावन अवसर पर खोड़ाहार आदिवासी समाज ने परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी की पहल पर समाज के सचिव सुनील टोप्पो ने हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल को सागवान के हरे-भरे पत्ते पर लिखकर 30 जून को होने वाले हूल दिवस कार्यक्रम का पारंपरिक आमंत्रण पत्र भेंट किया। यह पहल केवल औपचारिक न्योता नहीं बल्कि बिना कागज के उपयोग के संदेश पहुंचाने और पेड़ों की कटाई कम करने का मजबूत पर्यावरण संदेश भी थी। सांसद मनीष जायसवाल ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति का संरक्षक रहा है और उनकी जीवनशैली पर्यावरण के

प्रति संवेदनशीलता की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सागवान के पत्ते पर आमंत्रण देना छोटा प्रयास है पर इसका संदेश दूरगामी है। यदि हम पारंपरिक जीवनशैली अपनाएं तो पर्यावरण पर दबाव कम होगा और कागज की खपत घटाकर पेड़ों की रक्षा होगी। सांसद ने आम लोगों से कागज के अनावश्यक उपयोग से बचने और प्राकृतिक विकल्प अपनाने की अपील की तथा हूल दिवस कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति भी दी।

बिजली व्यवस्था पर एक्शन में विधायक रोशन लाल चौधरी, अधिकारियों को दी सख्त चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव केरेडारी प्रखंड क्षेत्र में बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर स्थानीय विधायक रोशन लाल चौधरी पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। क्षेत्र की जनता को बिजली की समस्या से निजात दिलाने और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायक रोशन लाल चौधरी ने हजारीबाग बिजली विभाग के ऐसी अशोक कुमार उपाध्याय के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान विधायक रोशन लाल चौधरी ने क्षेत्र में हो रही अघोषित कटौती, लो-वोल्टेज और जर्जर तारों की समस्या पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक

शब्दों में कहा कि बिजली व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि तकनीकी खामियों को तुरंत दूर कर बिजली आपूर्ति चुस्त-दुरुस्त की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोस्टर के अनुसार पर्याप्त बिजली दी जाए। स्थानीय उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान त्वरित गति से हो।

पावर ग्रिड निर्माण को जल्द पूरा करने का अल्टीमेटम

बैठक में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव में निमार्णाधीन नए पावर ग्रिड को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। जिसपर विधायक ने कहा कि बड़कागांव की बिजली समस्या के स्थायी समाधान के लिए इस पावर ग्रिड का समय पर चालू होना बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ग्रिड निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और सभी बाधाओं को दूर करते हुए इसे जल्द से जल्द समय सीमा के भीतर पूरा कर चालू किया जाए। ताकि क्षेत्र की जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके।

आगे उन्होंने कहा कि बड़कागांव की जनता को बुनियादी सुविधाएं दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता है। बिजली की लचर व्यवस्था के कारण किसानों, छात्रों और आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है। आगे उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कह दिया कि काम में तेजी लाएं, अन्यथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई तय है।

बिजली विभाग के अउ ने दिया भरोसा

बैठक में उपस्थित बिजली विभाग के अउ अशोक कुमार उपाध्याय ने विधायक को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए सभी दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पावर ग्रिड के बचे हुए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है और जल्द ही बड़कागांव क्षेत्र के लोगों को एक बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति देखने को मिलेगी। इस बैठक के बाद स्थानीय ग्रामीणों में एक नई उम्मीद जगी है कि वर्षों पुरानी बिजली की समस्या से अब उन्हें जल्द ही परमानेंट छुटकारा मिल जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मुहर्रम के अवसर पर धनवार में लाठी प्रतियोगिता आयोजित, शेर क्लब बाराटांड़ बना विजेता

बरही : मुहर्रम त्योहार के अवसर पर बरही प्रखंड के धनवार गांव में लाठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।इस प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों ने भाग लिया जिसमें से गौस क्लब कोनहारा, चांद तारा क्लब लचनदीह,तहलका क्लब तमाय, मुस्कान क्लब गजरे,कॉमी एकता क्लब कमलबार,शेर क्लब बाराटांड़ ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण समिति अध्यक्ष मो क्युम ने फीता काट कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।इस मौके पर बरही थाना के सब इंस्पेक्टर विरवा साहब, मो इम्तियाज अली,गुलाम सरवर,मो एहसान,मो अरमान मुख्य रूप मौजूद थे। लाठी खेल प्रतियोगिता में सभी टीम के खिलाड़ीयों बेहतर खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का मनमोहा। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में शेर क्लब बाराटांड़ एवं कौमी एकता क्लब कमलबार की टीमें पहुंची। दोनों टीमों अपने अपने खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले में शेर क्लब बाराटांड़ ने कौमी एकता क्लब कमलबार को पराजित करते हुए प्रतियोगिता का विजेता बना जिसमें मुख्य अतिथि सहित उपस्थित अन्य अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। अतिथियों ने प्रथम विजेता को फ्रिज तथा उपविजेता टीम को कुलर देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले टीमों को आयोजन कमिटी के द्वारा टेबल पंखा देकर सम्मानित किया गया। मैच का जज लुकमान साहब ,रफीक साहब एवं अब्दुल कैयूम व संचालन मो एहसान एवं अरमान का अहम योगदान रहा। मौके पर बासुदेव यादव, इम्तियाज अंसारी, सराज अंसारी, गुलाम सरवर,मो मोईन,मो राजा ,मो बदरुद्दीन, शमसुल अंसारी, मो मुश्ताक ,मुजाहिद अंसारी ,रिजवान अंसारी, मो नौशाद ,मो शहजाद, फिरदोष अंसारी, मेराज अंसारी,मो जावेद, मो तशरीफ,मो साजिद, मो गुलाम ,मिनहाज अंसारी, मो सोनू ,मुसाहेब अंसारी, रौक्की ,शोएब, मो इस्तियाक ,मो असलम, मुजाहिद, मो मंजूर ,मो ताईब मुस्ताक,तौफीक,इजहार ,फिरोज दिलशाद अंसारी, मासूम, मो महफूज मो आजम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस ने पीटीसी चौक पर चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान, 171 वाहनों का कटा चालान

हजारीबाग: पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार पीटीसी चौक पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया अभियान में पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी यातायात, 05 पुलिस पदाधिकारी और 10 गृहरक्षकों की टीम गठित की गई। टीम द्वारा पीटीसी चौक पर की गई जांच में बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 124, ट्रिपल लोड पर 27, मोबाइल यूज करते हुए वाहन चलाने पर 04 और नो पार्किंग में ऑटो-टोटो सहित अन्य वाहनों पर 16 चालान काटे गए, इस तरह कुल 171 वाहनों पर कार्रवाई की गई, पुलिस ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव ने किया स्कूली बच्चों के बीच साइकिल वितरण

बरही: प्रखंड कार्यालय परिसर में सोमवार को कल्याण विभाग के तत्वावधान में सत्र 2025-26 के तहत नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खेरौन के वर्ग 8 के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के कुल 16 विद्यार्थियों, जिनमें 11 छात्र और 5 छात्राएं शामिल थीं, के बीच साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में केदारुत पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव ने विद्यार्थियों को साइकिल सौंपते हुए कहा कि सरकार की यह योजना ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों, विशेषकर छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से विद्यार्थियों की विद्यालय तक पहुंच आसान होगी और उनकी पढ़ाई बाधित नहीं होगी। विद्यालय प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को माध्यमिक शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह, प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास, सहायक शिक्षक संजीत कुमार रवि सहित कई अभिभावक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने साइकिल पाकर खुशी जताई और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

भवानी दांगी ने माँ को किया याद, प्रथम पुण्यतिथि पर किया वृक्षारोपण

बड़कागांव : सोनपुरा गांव निवासी समाजसेवी भवानी दांगी ने अपनी माता कदमी देवी की याद में प्रथम पुण्यतिथि पर फलदार आम का पौधा लगाकर श्रद्धांजलि दिया एवं पर्यावरण के संरक्षण को लेकर संकल्प लिया। भवानी दांगी ने कहा कि माता-पिता का स्थान हमारे जीवन में

सर्वोच्च होता है। उनकी याद में पेड़ लगाना न केवल उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरा-भरा भविष्य तैयार करना भी है। श्माँ की ममता की तरह ही प्रकृति भी हमारा पालन-पोषण करती है। जन्म दिन हो ,ब्रह्म भोज हो या पुण्यतिथि अन्य विशेष दिन हो याद में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए, इससे नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व मुखिया पारस प्रसाद, सोमर महतो, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिबू कुमार उर्फ शिव शंकर, अवध किशोर,टेकलाल महतो,राजनाथ कुमार, फूलचंद कुमार, दिलचंद कुमार,डेटनी देवी, कालो देवी,कुंती देवी,किरण कुमारी, सोहनलाल मेहता, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, प्रो. लालदेव महतो,सुरेंद्र महतो,अनिल कुमार,वीरेंद्र कुमार, फूलचंद राम,मनोज कुमार, विनय कुमार,रवि महतो, दीपक कुमार,सुभाष राणा,अशोक ठाकुर सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

एक नजर

सिरपा में वज्रपात से युवक की मौत

रांची : रांची जिला के अनगड़ा थाना क्षेत्र के सिरपा गांव में खेत जुतवाने के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से भागीरथ महतो (26 वर्ष) नामक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, भागीरथ महतो सोमवार दोपहर को अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई करवा रहे थे, तभी अचानक तेज कड़क के साथ उन पर बिजली गिर गई। इसके बाद वे गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें आनन–फानन में सीएचसी ले गए, जहां से उन्हें रिम्स रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक भागीरथ अपने पिता रमेश महतो के इकलौते पुत्र थे, जिससे इस हादसे के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए समाजसेवी रामपोदो महतो ने सरकार से पीड़ित परिवार को अविलंब 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है।

सेवा विस्तार की मांग को लेकर अंशकालीन शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

रांची : कल्याण विभाग अंशकालीन शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश के महासचिव प्रो. शशोधर महतो ने अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव को ज्ञापन सौंपकर अंशकालीन शिक्षकों का जल्द सेवा विस्तार करने और झारखंड हाईकोर्ट के आदेशों को लागू करने की मांग की। संघ ने बताया कि शिक्षकों की सेवा अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है, लेकिन अब तक विस्तार नहीं मिलने से शिक्षक आर्थिक और मानसिक परेशानी झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने सेवा–शर्तों और मानदेय पर विचार करने का निर्देश दिया है, लेकिन विभाग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। संघ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो राज्यभर के अंशकालीन शिक्षक अपने परिवार के साथ सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

युवा आजसू ने छात्रों के लिए की स्थानीय प्रमाण पत्र जल्द जारी करने की मांग

रांची : युवा आजसू ने झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा बोर्ड (जेसीईसीबी) की ओर से चल रही नामांकन प्रक्रिया की समय सीमा 02 जुलाई के मद्देनजर छात्रों को अविलंब स्थानीय प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की है। इस संबंध में सोमवार को युवा आजसू की रांची महानगर इकाई ने महानगर अध्यक्ष अमित यादव के नेतृत्व में अरगोड़ा अंचलाधिकारी सुदीप्त राज से मुलाकात कर झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा बोर्ड (जेसीईसीबी) में आवेदन देने वाले छात्रों का स्थानीय प्रमाण पत्र बनाने में विलंब किए जाने की शिकायत की और अविलंब प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की। अंचलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि प्रमाण पत्र जारी करने में तेजी लाने के लिए कदम उठाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में जिप सदस्य हाकिम अंसारी केंद्रीय सचिव इम्तियाज अहमद नजमी, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, प्रताप सिंह, सौरव यादव, नीतिश राज, अमन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। मौके पर जिप सदस्य हाकिम अंसारी ने बताया कि ज्ञापन में झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा बोर्ड (जेसीईसीबी) की ओर से चल रही नामांकन प्रक्रिया की समयसीमा के मद्देनजर स्थानीय प्रमाण पत्र बनाने में शीघ्रता करने का अनुरोध किया गया है।

रांची में 693 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण, शिक्षा को बढ़ावा देने पर सरकार का जोर

हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री चमरा लिण्डा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए संचालित योजनाओं के तहत आज रांची में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा ने TVS CM SOE जगन्नाथपुर, रांची क्लस्टर प्वाइंट से 10 विद्यालयों के कुल 693 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए संकल्पित है। उन्होंने बताया कि मेडिकल एवं इंजीनियरिंग जैसी उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए छात्रों को कोटा के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे Motion Education से जोड़कर विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि छात्र अपने सपनों को साकार कर सकें। श्री मुंडा ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं को विद्यालय की दूरी के कारण पढ़ाई में कठिनाई होती है, उनके लिए यह योजना बेहद उपयोगी साबित होगी और ड्रॉपआउट दर को कम करने में मदद मिलेगी।

बता दें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत राज्य के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 8 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। रांची जिले में वर्ष 2026-27 के लिए कुल 16,780 साइकिलों के वितरण की स्वीकृति दी गई है।

कार्यक्रम में समेकित जनजाति विकास अभिकरण, रांची की परियोजना निदेशक मनीषा तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, प्रखंड कल्याण पर्यवेक्षक एनुल हक तथा TVS CM SOE जगन्नाथपुर, रांची की प्राचार्य एवं प्रबंधन टीम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शाही स्नान के बाद 15 दिन एकांतवास में गए भगवान जगन्नाथ, 16 को रथयात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहर के बड़कागढ़ धुर्वा में सोमवार को भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का पारंपरिक शाही स्नान श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा और हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद लिया। बड़कागढ़ मंदिर में मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा और मुख्य अनुष्ठान संपन्न कराया। सेवक सुधांशु नाथ शाहदेव सहित अन्य सेवक भी अनुष्ठान में शामिल रहे। पारंपरिक वाद्ययंत्रों ढोल, नगाड़े और भेरी की गूंज के बीच तीनों विग्रहों का शाही स्नान कराया गया। जगन्नाथपुर न्यास समिति की ओर से सैकड़ों प्रकार की जड़ी-बूटियों से तैयार पवित्र जल से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का अभिषेक किया गया। इसके अलावा 2000 श्रद्धालुओं के बीच जल का वितरण किए गए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शाही स्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और 15 दिनों के अनासर (अज्ञातवास) काल में रहेंगे। इस दौरान मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। अनासर अवधि समाप्त होने के बाद 15 जुलाई को नेत्रदान होगा। 16 जुलाई को ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली जाएगी।

सिल्ली में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक एसआईआर को लेकर दिए गए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रभारी मदन कुमार महतो एवं सह प्रभारी जाका उल्ला ने रविवार को सिल्ली प्रखंड का दौरा कर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और बीएलए-2 के साथ बैठक की। बैठक में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रभारी मदन कुमार महतो ने बताया कि 30 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक झारखंड के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और बीएलए-2 की पहली बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त सभी बीएलए-2 से अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर बीएलओ का सहयोग करने और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो, महासचिव सैय्यद कमर आलम, भगीरथ महतो, प्रकाश मुंडा, शमशेर आलम, देवाशीष दत्ता, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, मो. खलील, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव रमजान अंसारी सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट ने भूमि सर्वे मामले में विभागीय सचिव से 15 जुलाई तक मांगा शपथ पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में चल रहे भूमि सर्वेक्षण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए पूछा कि जब पिछली सुनवाई में विभाग के सचिव को व्यक्तिगत रूप से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया था, तो उनकी जगह विभागीय अवर सचिव ने शपथ पत्र क्यों दाखिल किया।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए विभाग के सचिव को निर्देश दिया कि वे स्वयं 15 जुलाई तक शपथ पत्र दाखिल करें। अदालत ने यह भी कहा कि यदि पिछली सुनवाई के बाद इस मामले में कोई नई प्रगति हुई है, तो उसकी विस्तृत जानकारी भी शपथ पत्र में उपलब्ध कराई जाए।

खंडपीठ ने राज्य सरकार से यह स्पष्ट करने को भी कहा कि झारखंड के सभी जिलों में भूमि सर्वेक्षण का कार्य कब तक पूरा हो जाएगा। अदालत ने इस संबंध में विस्तृत समय-सीमा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को निर्धारित की गई है।

इससे पहले जनहित याचिका दायर करने वाले गोकुल चंद की ओर से आज अदालत को बताया गया कि राज्य में अंतिम व्यापक भूमि सर्वे वर्ष 1932 में हुआ था। इसके बाद वर्ष 1980 से दोबारा सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन कई दशक बीत जाने के बावजूद यह कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। याचिका में कहा गया है कि अधूरे सर्वे के कारण भूमि विवादों और प्रशासनिक समस्याओं में लगातार वृद्धि हो रही है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि झारखंड में भूमि सर्वेक्षण का कार्य जारी है। सरकार ने कहा कि लातेहार और लोहरदगा जिलों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है, जबकि अन्य जिलों में प्रक्रिया विभिन्न चरणों में चल रही है।

ईडी के समन पर पेश नहीं हुए रोहित उरांव, तीन सप्ताह का समय मांगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के शराब घोटाले की जांच में सोमवार को नया घटनाक्रम सामने आया। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के बावजूद रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने और उनके पिता रामेश्वर उरांव ने जांच में शामिल होने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है। फिलहाल इस अनुरोध पर ईडी ने कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है और मामला एजेंसी के वरिष्ठ स्तर पर विचाराधीन है।

ईडी ने शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में रोहित उरांव को 29 जून को पूछताछ के लिए तलब किया था। वहीं, पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला झारखंड की नई उत्पाद नीति-2022 के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। इससे पहले राज्य की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आबकारी नीति में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर एफआईआर (कांड संख्या 09/2025) दर्ज की थी। इसी एफआईआर को आधार बनाकर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईसीआईआर संख्या 10/2025 दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच एजेंसी का कहना है कि वह अवैध वित्तीय लेनदेन (मनी ट्रेल) की कड़ियों को जोड़ने के लिए दस्तावेजों, बैंक लेनदेन और डिजिटल साक्ष्यों का मिलान कर रही है। गौरतलब है कि 23 अगस्त 2023 को ईडी ने रांची, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा और कोलकाता समेत 32 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान रोहित उरांव के रांची स्थित आवास से 30 लाख रुपये नकद बरामद होने का दावा किया गया था। ईडी को संदेह है कि झारखंड में नई उत्पाद नीति लागू होने के दौरान छत्तीसगढ़ की कुछ कंपनियों को शराब आपूर्ति और मैनपावर सप्लाई का काम दिलाने में प्रभावशाली लोगों की भूमिका रही।

केंद्र में मोदी की सरकार नहीं, भारतीय गबन पार्टी की सरकार : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा को भारतीय गबन पार्टी बताते हुए दावा किया कि 2014 के बाद देश में 24 तरह के गबन हुए हैं।

प्रेस वार्ता की शुरूआत में सुप्रियो भट्टाचार्य अपने साथ एक खीरा लेकर पहुंचे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी के बागान का 90,600 का खीरा है और इसका स्वाद पत्रकार भी चखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री ने कृषि लोन और सब्सिडी का लाभ लिया, जबकि दूसरी तरफ महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में प्याज, कपास और गन्ना उगाने वाले हजारों किसान कर्ज के कारण आत्महत्या करने को मजबूर हैं। इसे उन्होंने किसान गबन बताया।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि गबन की शुरूआत 2016 की नोटबंदी से हुई, जिसे उन्होंने करेंसी गबन कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपकर पीएसयू गबन किया गया। बैंकों का विलय कर बड़े उद्योगपतियों के 18 लाख करोड़ रुपये के राइट-ऑफ लोन को छिपाने की कोशिश की गई, जिसे उन्होंने बैंक गबन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि हसदेव के जंगलों से लेकर देश के बंदरगाह, एयरपोर्ट और पहाड़ तक निजी कंपनियों को सौंप दिए गए। उन्होंने इसे जंगल गबन, समुद्र गबन, आकाश गबन और पहाड़ गबन बताया। वनतारा प्रोजेक्ट के नाम पर सरकारी पशुओं को निजी कॉरपोरेट को देने का आरोप लगाते हुए इसे पशु गबन भी कहा।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने पुलवामा और कारगिल के ताबूत घोटाले का जिक्र करते हुए शहीद गबन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकारें विधायकों और सांसदों को तोड़कर चला रही हैं, इसलिए इसे सांसद और विधायक गबन कहा जाना चाहिए। उन्होंने असम के परिसीमन, पश्चिम बंगाल के 30 लाख मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप और ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग, यूपीएससी, यूजीसी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और नीति आयोग जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग को संस्थागत गबन बताया।

रोजगार और शिक्षा पर भी उन्होंने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा पूरा नहीं हुआ। नीट परीक्षा दो बार लीक होने और वायु सेना की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने का जिक्र करते हुए इसे शिक्षा गबन बताया। श्रम कानूनों और पीएफ-ईएसआई के नियमों में बदलाव को उन्होंने मजदूर गबन कहा। विदेश नीति पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के दबाव में काम कर रही है। उन्होंने विदेश मंत्री के एक बयान का जिक्र करते हुए इसे विदेश नीति गबन बताया।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में आज गर्जन, बारिश और वज्रपात की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार को गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए राज्य के कई हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। मौसम विभाग ने सोमवार को जारी पूवार्नुमान में बताया कि राज्य के विभिन्न इलाकों में 5 जुलाई तक गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी। इसे लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 49.6 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में दर्ज की गई। वहीं सर्वाधिक तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस बहरागोड़ा में और सबसे कम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से तेज धूप निकलने के कारण लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। हालांकि दोपहर बाद बादल छाने और ठंडी हवाएं चलने से मौसम सुहावना हो गया तथा लोगों को गर्मी से राहत मिली।

कुएं में डूबने से सगे भाइयों की मौत, गांव में मातम

रांची : रांची जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के चंद्राटोली गांव में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसे में दो सगे भाइयों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुखराम मुंडा (42) और विनोद मुंडा (35) के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है, जबकि परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विनोद मुंडा सुबह खेत जाने के दौरान सिंचाई कूप से पानी निकालने पहुंचा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह कुएं में गिर गया। भाई को डूबता देख सुखराम मुंडा उसे बचाने के लिए बिना देर किए कुएं में कूद पड़ा। हालांकि, बचाव का प्रयास दोनों के लिए जानलेवा साबित हुआ और दोनों की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, विनोद मुंडा मिर्गी की बीमारी से पीड़ित था और अविवाहित था। ग्रामीणों ने बताया कि जिस सिंचाई कूप में हादसा हुआ, वह करीब 30 फीट गहरा है और उसमें लगभग 22 से 23 फीट तक पानी भरा हुआ है। यह कुआं मनरेगा योजना के तहत करीब दो वर्ष पहले बनाया गया था, लेकिन अब तक उसकी सुरक्षा के लिए मुंडेर का निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम रजवार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से उचित मुआवजा तथा आश्रितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

तारा शाहदेव मामला, रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की जमानत एचसी से खारिज

रांची : नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव के धर्म परिवर्तन, यौन उत्पीड़न व दहेज प्रताड़ना से संबंधित मामले में सजायाफ्ता रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की जमानत याचिका झारखंड हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन एवं न्यायमूर्ति दीपक रोशन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि रंजीत कोहली 7 साल 6 माह से अधिक समय से जेल में है। यहां उल्लेखनीय है कि रंजीत कोहली की ओर से रांची सिविल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्र कैद की सजा को निरस्त करने को लेकर हाई कोर्ट में क्रिमिनल अपील दायर की गई है। कोहली ने हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल का जमानत की गुहार लगाई है। बता दें कि रांची के सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने रंजीत कोहली की मां कौशल रानी को 10 साल की सजा सुनाई थी। साथ ही मुश्ताक अहमद को 15 साल की सजा सुनाई थी। जबकि रंजीत कोहली को अंतिम सांसों तक जेल में रहने को लेकर उम्र कैद की सजा सुनाई थी।

एक्युप्रेशर सेवा के लिए डॉ लालचंद बगड़िया संस्थान सम्मानित

रांची : पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार की रांची शाखा की ओर से समाज सेवा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ लालचंद बगड़िया एक्युप्रेशर संस्थान को सम्मानित किया गया। थड़पखना में सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के गुरु वीरेंद्र, प्रकाश, संजीव सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि संस्थान वर्षों से नि:स्वार्थ भाव से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। गुरु वीरेंद्र ने कहा कि संस्थान की ओर से समय–समय पर नि:शुल्क एक दिवसीय एक्युप्रेशर शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संस्थान की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में संस्थान की भूमिका सराहनीय रही है। संस्थान की ओर से फूल बाबा आश्रम में प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे से 8.30 बजे तक और थड़पखना स्थित डीबी पैलेस में दोपहर 3.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक नि:शुल्क एक्युप्रेशर चिकित्सा सेवा दी जा रही है। इस सेवा का लाभ बड़ी संख्या में मरीज नियमित रूप से उठा रहे हैं। पतंजलि योगपीठ के पदाधिकारियों ने संस्थान की नि:स्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। इस अवसर पर पतंजली योगपीठ की ओर से कई गुरू और अन्य लोग मौजूद थे।

एक नजर

नाबालिग बहन की हत्या के दोषी भाई को आजीवन कारावास

कोडरमा : भाई द्वारा अपने ही नाबालिक बहन की हत्या किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने आरोपी भाई ज्योतिष पांडे 20 वर्ष, को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, साथ ही 25000 जुमार्ना लगाया, वही साक्ष्य छुपाने में सहयोग करने के आरोपी पिता मदन पांडे 70 वर्ष को 3 वर्ष की सजा सुनाई साथ ही 10000 जुर्माना लगाया। मामला वर्ष 2025 का है। इसे लेकर मृतक का भाई नीतीश पांडे ने मरकच्चो थाना में आवेदन दिया था। साथ ही किसी लड़के द्वारा भगा लिए जाने का आरोप लगाया था। लेकिन पुलिस जांच में मामला सामने आया कि लड़की के भाई द्वारा ही उसकी हत्या कर पंचखेरो नदी के किनारे बालू में दफना दिया गया था। इस दौरान साक्षय छुपाने को लेकर गर्दन को अलग कर दिया गया था, साथ एक हाथ को भी काट दिया गया था। लेकिन तत्कालीन थाना प्रभारी सौरभ शर्मा के अनुसंधान में सारी बातें खुलकर सामने आ गई और आरोपियों ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। वही न्यायालय ने मृतक के पिता मदन पांडे को साक्षय छुपाने, में सहयोग करने के आरोप में 3 साल की सजा सुनाई साथ ही 10000 का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया।

5 जुलाई की केंद्रीय बैठक को लेकर क्षत्रिय महासंघ ने तेज की तैयारियां

कोडरमा : उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ कोडरमा की ओर से आगामी 5 जुलाई दिन रविवार को कोडरमा स्थित सहाना गार्डन में केंद्रीय कार्य समिति की आयोजित बैठक को लेकर महासंघ के विभिन्न प्रक्षेत्रों में केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियो ने दौरा करते हुए बैठकों का आयोजन किया। साथ ही साथ विभिन्न प्रक्षेत्रों में उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ युवा मोर्चा का गठन भी किया गया। विभिन्न प्रक्षेत्रों में आगामी 5 जुलाई की बैठक की तैयारी को लेकर समीक्षा की गई। इस दौरान यह निर्देश दिया गया कि सभी प्रक्षेत्रों मेंआगामी 5 जुलाई 2026 के पूर्व बैठक आयोजित कर क्षत्रिय युवा मोर्चा का गठन कर लिया जाए। इसके अलावा विभिन्न प्रक्षेत्रों में बैठकर आयोजित कर संगठन के विस्तार पर गहन चर्चा की गई। दिशा में सक्रिय पहल किया। विभिन्न प्रक्षेत्रों का दौरा करने वाले पदाधिकारियो में उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ के केंद्रीय अध्यक्ष राम लखन सिंह, शिवलाल सिंह, नारायण सिंह एवं रामचंद्र सिंह, महासंघ के केंद्रीय युवा मोर्चा के अध्यक्ष रणजीत सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

भाजपा कोडरमा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

झुमरी तिलैया : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक अग्रसेन भवन, झुमरी तिलैया में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री शालिनी बैसिख्यार, विशिष्ट अतिथि कोडरमा विधायक नीरा यादव और जिला प्रभारी प्रवीण मेहता उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव एवं नरेंद्र पाल ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल अभियान को घर-घर और जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने तथा सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर बीएलए के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया गया।

रामगढ़ में एसआईआर के लिए 7.55 लाख वोटर तक पहुंचेंगे बीएलओ : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का दूसरा चरण शुरू हो गया है। अब बीएलओ सीधे रामगढ़ और बड़कागांव विधानसभा के कुल 7.55 लाख मतदाताओं के घर पहुंचेंगे और उन्हें एन्यूमरेशन फॉर्म देंगे। बड़कागांव विधानसभा में कुल 3 लाख 90 हजार 873 और रामगढ़ विधानसभा में 03 लाख 64 हजार 582 मतदाता हैं। वोटर के नाम से भेजे गए इस फॉर्म को भरकर मतदाता अपनी गणना कराएंगे। यह बातें सोमवार को रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।उन्होंने बताया कि एसआईआर का क्वालीफाइंग डेट 01 अक्टूबर 2026 है। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण 20 जून से 29 जून तक चले। इसके बाद बीएलओ सीधे मतदाताओं के घर पहुंचेंगे। 30 जून से 29 जुलाई तक यह कार्य चलेगा, जिसमें गणना पत्र भरकर जमा किया जाएगा। इस दौरान किसी भी मतदाता से किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं लिया जाएगा। डीसी ने बताया कि 30 जून को बूथ लेवल ऑफिसर बीएलओ अपने मतदान केंद्र पर मौजूद रहेंगे। वे उन मुख्य बातों को पढ़ेंगे, इससे मतदाता अपने गणना पत्र को भरने में सक्षम होंगे। साथ ही उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी भी देंगे। डीसी ऋतुराज ने बताया कि एक महीने तक चलने वाले इस अभियान का प्रचार सोशल मीडिया पर भी किया जाएगा। जिले के तमाम अधिकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एसआईआर के लिए जारी किया गया पोस्ट अपने फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, थ्रेड, यूट्यूब पर अपलोड करेंगे। इसके अलावा प्ले स्टोर से ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड कर मतदाता अपने बारे में बता सकते हैं। साथ ही वोटर डॉट ईसीआई डॉट को डॉट आईएन वेबसाइट पर भी लॉगिन कर मतदाता अपने बारे में बता सकते हैं। विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए वीडियो और फोटोग्राफ सोशल मीडिया पर अपलोड कर इसका व्यापक प्रचार कर सकते हैं ताकि क्षेत्र का हर मतदाता खुद को इस अभियान में शामिल कर सके। इसके अलावा जिले में जागरूकता वाहन भी लगातार घूम रहा है जो एसआईआर के बारे में जानकारी दे रहा है। डीसी ने बताया कि बड़कागांव विधानसभा के लिए ईआरओ डीसीएलआर दिप्ती प्रियंका कुजूर और 23 रामगढ़ विधानसभा के लिए ईआरओ एसडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की को बनाया गया है। इसके अलावा असिस्टेंट इलेक्टरल रजिस्ट्रेशन ऑफीसर में शामिल अधिकारियों का नाम और नंबर भी जारी कर दिया गया है। मतदाता सीधे अपनी परेशानी उनसे साझा कर सकते हैं।

मारपीट व जानलेवा हमले के मामले में कार्रवाई नहीं होने का आरोप, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के कांटी गांव निवासी राजेश कुमार मोदी ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उन पर और उनके परिवार पर हुए कथित जानलेवा हमले के मामले में अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 24 मई 2026 की सुबह लगभग 7 बजे गांव के ही दो लोगों पर उनके घर पहुंचकर गाली-गलौज करने तथा विरोध करने पर लोहे की रॉड और पत्थर से मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि हमले के दौरान उनकी पुत्री तन्वी कुमारी के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बीच-बचाव करने पहुंची उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन में कहा है कि घायल का इलाज कराया गया, जिसकी मेडिकल रिपोर्ट भी आवेदन के साथ संलग्न की गई है। उनका आरोप है कि घटना के बाद तिलैया डैम ओपी में लिखित शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। राजेश कुमार मोदी ने यह भी दावा किया है कि इससे पहले भी उन्होंने जयनगर थाना क्षेत्र के तिलैया डैम ओपी में दर्ज कांड संख्या 97/2026 (दिनांक 03 जून 2026) तथा पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया है कि इसी कारण आरोपितों का मनोबल बढ़ गया है और वे लगातार केस वापस लेने तथा जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने तथा अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

पल्स पोलियो अभियान के दौरान कुष्ठ रोगी का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, कोडरमा डॉ. रमण कुमार ने पल्स पोलियो अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर चेहाल, सतडीहा एवं इरगोबाद क्षेत्र में हाउस-टू-हाउस भ्रमण कर अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर चेहाल अंतर्गत ऊपर चेहाल गांव में उपचाराधीन एक महिला कुष्ठ रोगी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के क्रम में मरीज में ग्रेड-2 दिव्यांगता पाई गई। डॉ. रमण कुमार ने दिव्यांगता की प्रगति रोकने के लिए मरीज को नियमित रूप से सेल्फ-केयर (स्व-देखभाल) का अभ्यास करने तथा एमसीआर चप्पल का नियमित उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने एएनएम संजू एक्का एवं सीएचओ नुसरत परवीन को निर्देश दिया कि मरीज के सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संपर्क व्यक्तियों की संपूर्ण शारीरिक जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि कुष्ठ रोग के लक्षण पाए जाने पर तत्काल उपचार प्रारंभ किया जा सके। साथ ही मरीज के सभी योग्य पारिवारिक एवं सामाजिक संपर्कों को सिंगल डोज रिफैम्पिसिन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला डाटा प्रबंधक (आईडीएसपी) अविनाश आनंद, सीएचओ नुसरत परवीन, एएनएम संजू एक्का, सहिया एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रिजली विद्यालय में नशा मुक्ति सप्ताह पर विद्यार्थियों ने लिया तंबाकू मुक्त समाज का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय के सीसीए विभाग की समन्वयक प्रीति जगनानी के नेतृत्व में शालिनी सिन्हा, फारिया सबा, आर.डी. पाण्डेय तथा संजय कुमार राय के सहयोग से आयोजित इन कार्यक्रमों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का विषय नशामुक्त जीवन एवं सकारात्मक जीवन-मूल्य रखा गया। प्रतियोगिता के प्रभारी संजय कुमार राय थे। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में उजेशा मंडल ने प्रथम, नंदिनी कुमारी ने द्वितीय तथा साक्षी प्रसाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में हिंदी विभागाध्यक्ष आर.डी. पाण्डेय द्वारा मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, उनकी रोकथाम एवं युवाओं की भूमिका₹ विषय पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने विषय की गंभीरता को समझते हुए विचारोत्तेजक एवं जागरूकतापरक लेख प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में श्रेया विजय जायसवाल ने प्रथम, वत्सल सिन्हा ने द्वितीय तथा निशांत राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शालिनी सिन्हा के मार्गदर्शन में ₹मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी₹ विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नशीले पदार्थों से संबंधित तथ्यों एवं जागरूकता का विकास करना था। इस प्रतियोगिता में सुहाना कुमारी ने प्रथम, रंजन कुमार ने द्वितीय तथा रिद्धि कौशिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने कहा कि युवा वर्ग देश की सबसे बड़ी शक्ति है और उन्हें किसी भी प्रकार के नशे एवं तंबाकू से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा, नैतिक मूल्यों और आत्मविश्वास को सामाजिक बुराइयों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने अपने संदेश में कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास को भी प्रभावित करता है।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ समापन

कोडरमा : श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर (जयपुर) एवं श्री दिगंबर जैन समाज,झुमरीतिलैया के संयुक्त तत्वावधान में परमपूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य पुंगव मुनि श्री108 सुधा सागर जी मुनीराज के मंगल आशीर्वाद से गत 22 जून से आयोजित आठ दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर प्रारंभ होकर आज 29 जून को भव्य समापन हुआ। इस समापन समारोह में समाज के उप मंत्री नरेंद्र जैन झांझरी ने की जबकि, विद्वान अभिषेक जैन शास्त्री एवं सर्वेश जैन शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिविर प्रभारी संजीव जैन,पारसनाथ,ओर पाठशाला प्रेरक आगम जैन सांगानेर ने मंच साझा किया।

सोशल मीडिया अभियान के माध्यम से मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर डीसी ने दिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

आज से #JharkhandSIR हैशटैग के साथ चलेगा विशेष जनजागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026) कार्यक्रम के तहत झारखंड राज्य में 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के संबंध में अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 30 जून 2026 को जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक दो घंटे का विशेष सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर #JharkhandSIR हैशटैग के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर #JharkhandSIR हैशटैग का अधिकाधिक उपयोग करते हुए मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के संबंध में आम नागरिकों को जागरूक करें। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने जिले के सोशल मीडिया क्रिएटर्स के साथ बैठक कर उनसे भी अपील की कि वे अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एसआईआर-2026 कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा मतदाताओं को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुभाष यादव, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी बाल विद्यालय में आधुनिक प्ले जोन का उद्घाटन, खेल के साथ शिक्षा पर जोर

झुमरीतिलैया : रोटरी बाल विद्यालय में सोमवार को बच्चों के लिए नव विकसित प्ले जोन का उद्घाटन डॉ. संगीता प्रसाद एवं रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। इस प्ले जोन के लिए झूले एवं अन्य खेल सामग्री चेन्नई निवासी समाजसेवी अशोक जैन पापड़ीवाल (झुमरीतिलैया) द्वारा उपलब्ध कराई गई। विद्यालय प्रबंधन समिति ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रोटरी अध्यक्ष संतोष सिन्हा ने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्ले जोन शुरू होने से छोटे बच्चों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। डॉ. संगीता प्रसाद ने कहा कि रोटरी बाल विद्यालय में पढ़ाई के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और खेलकूद पर भी समान रूप से ध्यान दिया जाता है। वहीं विद्यालय के डायरेक्टर महेश दारुका ने कहा कि शिक्षा और खेल का संतुलित समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। खेल गतिविधियों से बच्चों में सीखने की रुचि और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को विद्यालय में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सुरेश जैन, कुमार पुजारा, कैलाश चौधरी, सचिव संदीप सिन्हा, विद्यालय की प्राचार्या रीना कुमारी, सत्र 2026-27 के अध्यक्ष नवीन आर्य, फर्स्ट लेडी रूपा रानी, विद्यालय के कोषाध्यक्ष सुरेश सेठी, सहेली सेंटर के डायरेक्टर कमल जैन सेठी, संजीव अग्रवाल, अश्विनी राजगढ़िया तथा पब्लिक रिलेशन डायरेक्टर एवं मीडिया प्रभारी नवीन जैन सहित कई रोटेरियन एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मना राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस, छात्रों ने जाना आंकड़ों का महत्व

झुमरी तिलैया : मॉडर्न पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं और 12वीं (वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थियों द्वारा बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन छात्रों में निर्णय लेने, योजना बनाने और राष्ट्रीय विकास में सांख्यिकी के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रख्यात सांख्यिकीविद प्रो. पी. सी. महालनोबिस की स्मृति में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के महत्व पर संक्षिप्त परिचय के साथ हुई, जिनके सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन में योगदान को विश्वभर में सराहा जाता है। कक्षा 11वीं और 12वीं वाणिज्य के छात्रों ने व्यवसाय, अर्थशास्त्र, शिक्षा और दैनिक जीवन में सांख्यिकी की भूमिका पर भाषण दिए तथा जानकारीपूर्ण तथ्य साझा किए। छात्रों की समझ बढ़ाने और उन्हें जोड़ने के लिए प्रस्तुतीकरण, चर्चा और प्रश्नोत्तरी सत्र जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। शिक्षकों ने छात्रों को विश्लेषणात्मक और आँकड़ों की व्याख्या करने के कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो आज के शैक्षणिक और व्यावसायिक जगत में अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी सी वर्मा ने अपने संदेश में कहा, सांख्यिकी केवल संख्याओं का खेल नहीं है, यह सही निर्णय का विज्ञान है। वाणिज्य के छात्रों के लिए तो यह सबसे बड़ा हथियार है। प्रो. महालनोबिस ने हमें सिखाया कि बिना सही आँकड़ों के कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती। मैं चाहता हूँ कि हमारे बच्चे डेटा को पढ़ें, समझें और उसी आधार पर देश के लिए नीतियाँ बनाने लायक बनें। विद्यालय की निर्देशिका संगीता शर्मा ने कहा, चाहे बिजनेस हो, स्वास्थ्य हो या कृषि - हर जगह सांख्यिकी की जरूरत है। यह हमें अफवाहों से नहीं, तथ्यों से सोचने की ताकत देती है। हमारे बच्चों को डाटा एनालिटिक्स और रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि यही नए भारत की मांग है।

चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल में अमरेश कुमार बने फिल्म रिव्यू कमेटी के सदस्य

कोडरमा : चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026 का समापन समारोह दिनांक 28 जून को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सरला-बिरला विश्वविद्यालय रांची में संपन्न हुआ। पिछले तीन दिनों से चल रहे इस महोत्सव में झारखंड राज्य के अलग-अलग जिलों से चयनित कूल 84 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। फिल्म रिव्यू कमेटी के कुल पांच सदस्यों में से एक सदस्य की जिम्मेदारी निभाई झुमरी तिलैया निवासी फिल्म कलाकार, लेखक- निर्देशक अमरेश कुमार ने नंदकुमार सिंह की देख -रेख में आयोजित चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल इस वर्ष लगातार तीसरी बार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि बाबूलाल मरांडी पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड और बतौर मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड व पूर्व केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल के सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट, ट्रॉफी के साथ-साथ नकद पुरस्कार भी प्रदान कि गई।

नक्सल प्रभावित रेलखंड में आरपीएफ की ड्रोन से निगरानी

पश्चिमी सिंहभूम : नक्सल संगठनों की ओर से मनाए जा रहे दमन विरोधी सप्ताह के मद्देनजर दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ कर दिया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन ट्रैक हॉक के तहत 25 जून 2026 से चक्रधरपुर और मनोहरपुर रेलवे स्टेशनों के बीच नक्सल प्रभावित रेलखंड में ड्रोन के माध्यम से विशेष निगरानी एवं क्षेत्र प्रभुत्व अभियान शुरू किया है। इस अभियान के दौरान अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक की सहायता से पूरे रेलखंड की लगातार हवाई निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही आरपीएफ की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके और रेलवे परिचालन को प्रभावित करने की किसी भी कोशिश को समय रहते विफल किया जा सके। सोमवार को जारी बयान में रेलवे प्रशासन ने बताया है कि विशेष सुरक्षा अभियान का उद्देश्य रेलवे की संपत्तियों, यात्रियों की सुरक्षा तथा महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना की हर स्तर पर रक्षा सुनिश्चित करना है। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और निगरानी व्यवस्था को तकनीकी रूप से और मजबूत बनाया गया है। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल ने स्पष्ट किया है कि रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे प्रशासन पूरी तरह सतर्क हैं तथा यात्रियों की सुरक्षित, संरक्षित और निर्बाध रेल सेवा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

एक नजर

सर्पदंश से किशोर की मौत, तंत्र-मंत्र के बाद भी नहीं लौटी जिंदगी

चौपारण : प्रखंड की डेबो पंचायत अंतर्गत रैंबो करमा गांव में सर्पदंश की घटना में एक 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक की पहचान प्रवीण रविदास के पुत्र ऋषि कुमार दास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब साढ़े तीन बजे घर में सोने के दौरान जहरीले सांप ने ऋषि को डंस लिया।परिजन उसे इलाज के लिए पहले स्थानीय ओझा के पास ले गए। इसके बाद हालत गंभीर होने पर कोडरमा के एक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बरही के एक अस्पताल में भी इलाज का प्रयास किया, लेकिन किशोर की जान नहीं बच सकी। इसके बावजूद परिजनों ने उम्मीद नहीं छोड़ी।

हर पात्र मतदाता का नाम सूची में जोड़ने पर रहेगा फोकस : उपायुक्त

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बरही : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण SIR-2026 को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जिलेवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के आलोक में 01 अक्टूबर 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष गहन

पुनरीक्षण कराया जाएगा। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित अद्यतन एवं पारदर्शी बनाना है ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा अपात्र नामों को हटाया जा सके। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 20 जून से 29 जून 2026 तक तैयारी प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग कार्य संपन्न किया जा रहा है। इसके पश्चात 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण करेंगे। 29 जुलाई 2026 तक मतदान केंद्रों का पुनर्गठन किया जाएगा। 05 अगस्त 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्तियां दर्ज की जाएंगी तथा 05 अगस्त से 03 अक्टूबर 2026 तक नोटिस एवं दावे आपत्तियां का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी पात्र मतदाता बीएलओ को गणना प्रपत्र हस्ताक्षर के साथ समय पर भरकर जमा करें। यदि किसी मतदाता का नाम छूट गया हो अथवा किसी प्रकार की त्रुटि हो तो निर्धारित अवधि में दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत कर उसका निराकरण कराया जा सकता है। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए सभी नागरिक इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें। इस दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार एवं मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

महाप्रभु जगन्नाथ, सुभद्रा, बलभद्र का स्नान महोत्सव संपन्न

पटमदा : ज्येष्ठ मास के पावन स्नान पूर्णिमा के अवसर पर पटमदा के श्री श्री हरिसाधना आश्रम में श्री श्री महाप्रभु जगन्नाथ, सुभद्रा और भ्राता बलभद्र का स्नान महोत्सव सम्पन्न हुआ। इस दौरान महोत्सव में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर अनुष्ठान को सफल बनाया। सुबह से ही काफी धूमधाम और उल्लास के साथ स्नान महोत्सव को पुरोहित के द्वारा विधि विधान से मंत्रोच्चारण और हवन के साथ पूरा हुआ। जानकारी देते हुए श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु मंदिर कमिटी अध्यक्ष गिरजा प्रसाद मिश्रा ने बताया कि स्नान महोत्सव के साथ कमिटी का रथयात्रा का तैयारी भी जोरो पर चल रहा हैं। इस वर्ष उल्लास के साथ रथयात्रा महोत्सव मनाया जाएगा। आश्रम संचालक शंभू दास ने बताया कि श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु का स्नान महोत्सव श्रद्धालुओं के काफी संख्या के बीच सम्पन्न हुआ।कमिटी के सभी सदस्यों के रथयात्रा की तैयारी काफी जोर शोर से की जा रही हैं। आगामी बैठक में सभी सदस्यों को आने का विशेष आमंत्रण किया गया हैं। स्नान महोत्सव में पुरोहित के द्वारा विशेष पूजा पाठ करवाया गया।

पुलिस ने नशीली पदार्थ ब्राउन शुगर, खरीद-बिक्री के मामले में दो लोगों को भेजा जेल

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बडकागांव : बड़कागांव पुलिस ने सोमवार को नशीली पदार्थ ब्राउन शुगर खरीद बिक्री के मामले में दो अभियुक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। उक्त बातें पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 29 जुलाई को समय करीब 13.30 बजे पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली की बड़कागांव थाना अन्तर्गत ग्राम बाबुपारा में गोन्दलपुरा जाने वाले सड़क किनारे बन्द पड़े घर के चारदिवारी के अन्दर कुछ लड़के नशीली पदार्थ ब्राउन शुगर की खरीद ब्रिकी कर रहे है। उक्त सुचना का सनहा दर्ज कर, वरीय पदाधिकारी को सुचित करते हुए आदेशानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागाँव के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम ग्राम बाबुपारा में गोन्दलपुरा जाने वाले सड़क किनारे बन्द पड़े घर के पास पहुंचा तो चारदिवारी के अन्दर से दो लोग पुलिस टीम को देख कर भागने लगे जिससे सशस्त्र बल के द्वारा पकड़ लिया गया। पकडाये व्यक्तियों से नाम पता पुछने पर उन्होंने अपने-अपने 01 आदित्य कुमार, पिता मदन दास साकिन रविदास मोहल्ला बाबुपारा तथा 02. विपिन कुमार पाण्डेय पिता- प्यारेलाल पाण्डेय साकिन बादम दोनो थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग बताया। जब इनकी तलाशी लिया गया तो 01 आदित्य कुमार के पास से करीब 12 ग्राम ब्राउन सुगर और सिल्वर रंग का एक इलेक्ट्रॉनिक तुला मशीन तथा विपिन कुमार पाण्डेय के पास से 10 पुडिया ब्राउन सुगर जिसका वजन करीब 04 ग्राम एवं एक ब्लू रंग का स्मोक लाईटर बरामद किया गया एवं दोनो अभियुक्तो को घटनास्थल से विधिवत गिरफ्तार किया गया।

प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज, युवा खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड स्टेडियम में सोमवार को प्रखंडस्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने फीता काटकर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर बीडीओ नितेश भास्कर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है और वे स्वस्थ व अनुशासित रहते हैं। प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक वर्ग, अंडर-17 बालिका वर्ग एवं अंडर-17 बालक वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए। अंडर-17 बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में कस्तूरबा

गांधी बालिका उच्च विद्यालय चौपारण की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया को 2-0 से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय टोईया की टीम विजेता रही, जबकि उत्क्रमित उच्च विद्यालय इंगुनिया की टीम उपविजेता बनी। अंडर-15 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय इंगुनिया की टीम ने जीत दर्ज की, जबकि केवीएस एसएस+2 चौपारण की टीम उपविजेता रही। कार्यक्रम का मंच संचालन जनार्दन प्रसाद वर्मा ने किया। टूनामेंट को सफल बनाने में बीपीएम मो० आरिफ, सुरेंद्र कुमार दास, जितेंद्र कुमार सिंह, गुलाब साव, बसंत कुमार दास, शैलेंद्र कुमार पांडेय, प्रभाकर कुमार अंबुदी, किशन कुमार, सौरभ सिंह, गिरधारी महतो, राकेश कुमार, शशि कुमार, यशवंत कुमार, रूपलाल रविदास, दयानंद ठाकुर, वीरेंद्र मेहता एवं मनुतोष सहित अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही।

ग्राम प्रधान के विरुद्ध ग्रामीणों ने मंडरो अंचल अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

साहिबगंज : जिले के मंडरो प्रखंड अंचल अधिकारी को आवेदन सौंपे मोतीझील के ग्रामीण। मोतीझील के ग्रामीणों ने आरोप लगाया हैं वहां के ग्राम प्रधान बाबूलाल हांसदा पर ओर कहा हैं कि ग्राम प्रधान के कारण मनरेगा का जितना भी कार्य होना था वह नहीं हो पाया हैं अभी तक। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि किसी भी विकास कार्य हेतु कोई भी ग्राम सभा के लिए कहा जाता है तो सभी ग्रामीणों को अभद्रता ढंग से ओर बदसलूखी के साथ वहां से गाली गलौज कर के भगा दिया जाता हैं।

Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Ramgarh
(District Planning Section.)
1st Floor, Block "B", Collectorate Ramgarh, Chatarmandu, Ramgarh- 825101, Jharkhand

-: शुद्धि पत्र :-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित REQUEST FOR PROPOSAL आमंत्रण सूचना संख्या RFP/DPO/RMG/LIB/2026-27/003 PR-382150 अंतर्गत "Nayi Disha: Technology-Enabled Inclusive Education in Ramgarh District on Turnkey Basis, Jharkhand में निविदा जमा करने की तिथि 06.07.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक अवधि विस्तार किया जाता है तथा दिनांक 07.07.2026 को निविदा समाहरणालय सभागार ब्लॉक 'बी' में खोला जाएगा। शेष शर्त्तें यथावत रहेंगी।

ह0/–
PR.NO.383468 District(26-27):D जिला योजना पदाधिकारी, रामगढ़।

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, सिमडेगा

-: आम सूचना :-

एतद् द्वारा सिमडेगा जिला के सभी पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि पशु स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में विभिन्न रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु पशुओं का नियमित टीकाकरण किया जाता है। टीकाकरण से पूर्व पशुओं का पंजीकरण (टैगिंग) भारत पशुधन ऐप के माध्यम से किया जाता है तथा टीकाकृत पशुओं का विवरण भी उक्त ऐप पर ऑनलाइन दर्ज किया जाता है। इस प्रक्रिया हेतु पशुपालकों का नाम,पिता/पति का नाम, मोबाइल नंबर,आधार नंबर एवं अन्य आवश्यक विवरण तथा मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओ०टी०पी० को विभाग द्वारा अधिकृत टीकाकर्मियों को उपलब्ध कराना आवश्यक है।

अतः सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि दिनांक–01/07/2026 से प्रारंभ हो **FMD** टीकाकरण कार्यक्रम में अपने पशुओं के पंजीकरण (टैगिंग) एवं टीकाकरण हेतु आवश्यक जानकारी विभाग द्वारा प्राधिकृत टीकाकर्मियों को उपलब्ध कराएं तथा अपने पशुओं का पंजीकरण एवं टीकाकरण अवश्य कराएं। विभाग द्वारा अधिकृत टीकाकर्मी प्रत्येक गाँव में घर–घर जाकर पशुओं की टैगिंग एवं टीकाकरण का कार्य निःशुल्क करेंगे। संबंधित टीकाकर्मियों की पहचान विभाग द्वारा निर्गत पहचान–पत्र (Identity Card) के माध्यम से की जा सकती है।

नोटः– अधिक जानकारी के लिए अपने प्रखण्ड के पशुचिकित्सा पदाधिकारियों से संपर्क करें।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी
सिमडेगा

PR 383547 Simdega (26-27)_D

उमवि केदारूत में प्रधानाध्यापक मिथिलेश प्रसाद को भावभीनी विदाई, ग्रामीणों ने किया सम्मानित

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बरही : राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय केदारूत के प्रधानाध्यापक मिथिलेश प्रसाद के सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से उन्हें माला पहनाकर एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन दीपक यादव के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ सुनील कुमार यादव, प्रभारी प्रधानाध्यापक उच्च विद्यालय खोड़ाहार, अयोध्या कुम्हार, प्रधानाध्यापक उच्च विद्यालय केवाल, संजय सिंह, सेवानिवृत शिक्षक, अरुण कुमार, सेवानिवृत शिक्षक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विश्वेश्वर यादव ने कहा कि मिथलेश प्रसाद के

अथक प्रयास का परिणाम है कि आज विद्यालय की स्थिति, जो बंद होने के कगार पर था, इन्होंने जीवंत किया है। पूरा ग्रामीण इनका हमेशा ऋणी रहेगा। डॉ सुनील कुमार यादव ने कहा कि सेवा काल में इनके कार्य करने की शैली और क्षमता अनुकरणीय है। इनसे बच्चे ही नहीं, शिक्षक भी सीखते रहे हैं। अयोध्या कुम्हार ने भी इनके स्वभाव की काफी सराहना की। साथ ही मथुरा प्रसाद ने इनके जीवन के हरेक पहलू पर प्रकाश डाला। अरुण कुमार और संजय सिंह ने भी इनके कार्यों और काबिलियत की काफी सराहना की। मौके पर देवनीश एक्का, प्रधानाध्यापक मध्य विद्यालय कदवा, एहसान अहमद, मध्य विद्यालय पोड़ैया, सुशील कुमार , प्रभारी प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय रालो, मथुरा प्रसाद, उच्च विद्यालय केवाल, अजय निषाद, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोड़ैया, तुलसी कुमार दास, प्रधानाध्यापक मध्य विद्यालय खेरौन, पूनम देवी, सुनीता कुमारी, उच्च विद्यालय केवाल, वर्तमान प्रभारी निरंजन प्रसाद, बिमला तिर्की, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष उमेश यादव, एवं सैकड़ों ग्रामीण इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मशीन की चपेट में आने से फैक्ट्री कर्मी गंभीर रूप से घायल, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : जालान फैक्ट्री में काम करने के दौरान सोमवार को एक कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में आजाद नगर लाल भवन के पास रहने वाले अकरम खान (50) मशीन की चपेट में आ गए। घायल अकरम खान पिछले करीब 20 वर्षों से फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए अशर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। घायल के करीबी नौशाद ने बताया कि अकरम खान पिछले करीब 20 वर्षों से फाइटर के रूप में काम कर रहे थे। हादसे के समय वे मशीन के बेल्ट के पास कुछ काम कर रहे थे। इसी दौरान किसी अन्य व्यक्ति ने मशीन का स्विच ऑन कर दिया, जिससे बेल्ट तेजी से घूमने लगा और अकरम खान उसकी चपेट में आ गए। बेल्ट की तेज रफ्तार के कारण वह दूर जा गिरे, जिससे उनकी पीछे की हड्डी टूट गई।

नौशाद के अनुसार डॉक्टरों ने अकरम खान की हालत गंभीर बताई है और उनके बचने की संभावना काफी कम बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घायल के परिजनों और करीबियों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अगर मशीन के स्विच के पास सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी होती तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में पहले भी कई दुर्घटनाएं सामने आ चुकी हैं, ऐसे में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीरता बरतने की जरूरत है।

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, पलामू

-: पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना :-

FMD (मुँह पका एवं खुर पका) कार्यक्रम 6

एतद् द्वारा पलामू जिला के सभी पशुपालक बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि गोवंशीय एवं भैंस जाति में होने वाली **FMD** (मुँह पका एवं खुर पका) रोग के उन्मूलन हेतु राज्य सरकार द्वारा LHDCP योजनान्तर्गत **FMD Vaccination Round 6** दिनांक 01.07.2026 से 29.08.2026 तक पलामू के सभी गोवंशीय एवं भैंस जाति को चयनित टीकाकर्मियों के द्वारा घर–घर जाकर निःशुल्क टीका लगाया जायेगा।

अतः आप सभी पशुपालक बन्धुओं से अनुरोध है कि राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे इस टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु हमारे टीकाकर्मियों का सहयोग करेंगे और अपने पशुओं में टीका लगवाने के पूर्व उन्हें टैंग लगवाते हुए उनका रजिस्ट्रेशन भारत पशुधन ऐप में करवाना सुनिश्चित करेंगे। भारत पशुधन ऐप में इन्ट्री के लिए एक ओ0टी0पी0 आपके मोबाईल पर आयेगा जिसे आप हमारे टीकाकर्मियों के साथ साझा करना चाहेंगे। ये अति आवश्यक है।

आपके सहयोग के लिए सधन्यवाद।

निवेदकः–
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
पलामू

PR 383483 District (26-27)_D

एसआईआर में सख्ती : मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन से पांच श्रेणियों के नाम होंगे बाहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर निर्वाचन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने साफ निर्देश दिया है कि किसी भी अयोग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेज के जरिए नाम जुड़वाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रारूप मतदाता सूची में 05 श्रेणियों के मतदाताओं को शामिल नहीं किया जाएगा। एसआईआर अभियान की तैयारियों का जायजा लेने सोमवार को धनबाद पहुंचे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने

समाहरणालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म भरने के कार्य को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

मीडिया से बातचीत में सीईओ ने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट और रिफ्यूज टू साइन कैटेगरी के मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रिफ्यूज टू साइन कैटेगरी में वैसे मतदाता भी आते हैं, जो दूसरे देश में जाकर वहां की नागरिकता हासिल कर चुके हैं, लेकिन भारत की मतदाता सूची से अपना नाम नहीं हटवाया है। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी भी अयोग्य व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से एसआईआर अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है, ताकि राज्य में शुद्ध, त्रुटिहीन और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार की जा सके। आगामी 05 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इसके बाद 05 अगस्त से 04 सितंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। दावे-आपत्तियों के निष्पादन के बाद 07 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–24/2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.07.2026 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 10.07.2026 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 10.07.2026 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of B type Quarter No-59/124 at Doranda, Ranchi	387800	7800	750	One Month
2	Renovation of B type Quarter No-17/24 at Audrey House, Ranchi	397700	8000	750	One Month
3	Repair of B type Quarter No-22/24 at Audrey House, Ranchi	390000	7800	750	One Month
4	Renovation of C type Quarter No-12/18 at Secretariate Colony, Hinoo, Ranchi	566100	11400	1250	One Month
5	Renovation of C type Quarter No-46 (One Unit) at Ratu Road Ranchi	597800	12000	1250	One Month
6	Renovation of B type Quarter No-24/124, 124 Set at Doranda, Ranchi	376400	7600	750	One Month
7	Renovation of B type Quarter No-13/56, 56 Set at Doranda, Ranchi	399300	8000	750	One Month
8	Renovation of Boundary wall with raising and PCC work in the Campus of A type (B-Block) at Doranda, Ranchi	462750	9300	750	One Month
9	Renovation of Main Building, Roof Treatment, Head Room and Other work in D type Quarter No-D/3 at Mayer's Road, Ranchi	1400500	28100	2500	One Month
10	Renovation of BCD Quarter No-35/51 at Harmu, Ranchi	409800	8200	750	One Month
11	Renovation of BCD Quarter No-30/51 at Harmu, Ranchi	405300	8200	750	One Month

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची

PR 383510 Building (26-27)_D

अति पर्यटन कहीं चौपट न कर दे पर्यटन उद्योग को

भारतीय संस्कृति में अतिथि को बहुत महत्व दिया गया है। भारत की संस्कृति का प्राचीन सिद्धांत है- ₹अतिथि देवो भवः।₹ इस कथन में अतिथि को देवताओं के तुल्य माना गया है। आधुनिक पर्यटन के वर्तमान दौर में अनियंत्रित, अनियोजित एवं असंयोजित अति जन पर्यटन ने भारतीय संस्कृति के इस प्राचीन सिद्धांत को अप्रासंगिक बना दिया है। पर्यटक स्थलों की क्षमता से कई गुना अधिक भीड़, घोर बाजारवाद और उपभोक्तावाद ने अतिथि और आतिथ्यकर्ता के मैत्रीपूर्ण व्यवहार में खटास घोल दी है। दोनों के मध्य का सौहार्द गड़बड़ा गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आवागमन से मेहमान और मेजबान के बीच टकराव की घटनाओं में यकायक बढ़ोतरी हुई है। पहाड़ के पर्यटक स्थलों में आए दिन पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के बीच छोटी - छोटी बातों पर लड़ाई - झगड़े, गाली - गालौच, मारपीट और हाथापाई जैसी अप्रिय घटनाएं सामने आ रही हैं। अति पर्यटन के कारण उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में पर्यटकों से संबंधित अपराध बढ़ रहे हैं। पर्यटन कुप्रबंधन के कारण उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों में पचाने की क्षमता नहीं रह गई है। अनियंत्रित पर्यटन ने पहाड़ के आधारभूत सुविधाओं के ढांचे को चरमरा दिया है। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आवागमन से पहाड़ की अधिकांश मोटर सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट गई हैं। लोगों को घंटों सड़क जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पहाड़ में एक घंटे के सफर में दस घंटे लग रहे हैं। गाड़ियों की भीड़ और जाम से समूचा पहाड़ त्रस्त है। स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। अति जन पर्यटन से पहाड़ में भौतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आने से मेजबान और मेहमान के बीच टकराव बढ़ा है। उत्तराखंड में पर्यटन प्रबंध की मांग और आपूर्ति में सामंजस्य बैठाए बगैर अनियंत्रित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जबकि यहां स्थानीय संसाधनों के अनुसार सही प्रबंधन और नियोजित पर्यटन की आवश्यकता है। जब स्थानीय निवासियों के लिए चलने को सड़क - रास्ते न बचें, बुनियादी सुविधाओं का अभाव हो और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को नजरअंदाज कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए तो स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति शत्रुता का भाव उत्पन्न होने की आशंका बन जाती है। पर्यटन के इस अनियोजित विकास में स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं की सरासर अनदेखी की जा रही है। सुनियोजित पर्यटन व्यवस्था के लिए स्थानीय क्षमताओं की समझ होना जरूरी है। पर्यटकों की अति भीड़ स्थानीय लोगों के लिए भौतिक एवं सामाजिक बोझ न बने इसके लिए पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता के आधार पर पर्यटकों की संख्या को नियंत्रण में रखना आवश्यक है। अति पर्यटन से स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति विद्वेष का भाव उत्पन्न हो जाता है, यह स्थिति पर्यटन उद्यम के लिए हितकर नहीं है। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और उनकी व्यावसायिक उपयोगिता को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की संख्या सुनिश्चित करना आवश्यक है। स्थानीय निवासियों से मधुर संबंध और सहयोग से ही पर्यटन उद्योग को टिकाऊ और दीर्घजीवी बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों का सहयोग तभी मिलेगा जब पर्यटन से उनके रोजमर्रा के कामों में व्यवधान उत्पन्न न हो और उन्हें पर्यटन से आर्थिक लाभ प्राप्त हो। उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को दीर्घकालिक बनाना है तो अनियंत्रित पर्यटन पर प्रभावी अंकुश लगाने और पर्यटन गतिविधियों को सीधे स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता है। इसके बगैर मेजबान और मेहमान के बीच सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण रिश्ते कायम नहीं हो सकते हैं।

सिदो-कान्हू के नेतृत्व में आजादी की पहली लड़ाई लड़ी गई थी

विजय केसरी

आज हम सब झारखंड अलग प्रांत में बहुत ही गर्व के साथ रह रहे हैं। उस झारखंड की आजादी की रक्षा के लिए यहां के आदिवासियों को जल, जंगल जमीन के लिए एक लंबे संघर्ष से गुजरना पड़ा था। आदिवासियों ने इसकी शुरूआत 171 वर्ष पूर्व 1855 में ही कर दी थी। सिदो - कान्हू, चांद - भैरव, फूलो-झानो सहित हजारों आदिवासियों की शहादत से लिखी गई है, हूल क्रांति की कहानी। हूल क्रांति पर न सिर्फ आदिवासियों को बल्कि सदा देशवासियों को गर्व रहेगा। यह आजादी की पहली लड़ाई थी। एक तरफ ब्रिटिश हुकूमत के तानाशाही फरमानों को मानने के लिए विवश होना पड़ रहा था। वही दूसरी ओर जमींदारों द्वारा लगाए गए लगान को देने के लिए बाध्य होना पड़ रहा था। जमींदारों और महाजनों ने बहुत ही महंगे ब्याज दर पर आदिवासियों को रुपए उधार पर दिए थे। उधार नहीं चुकाने पर आदिवासियों की जमीन जप्त कर ली गई थी। फलतः भूमि हीन होकर आदिवासियों को गुलामी का जीवन बसर करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा था। ब्रिटिश हुकूमत के इस तानाशाही कदम के विरोध के गर्भ से ही हूल क्रांति का जन्म हुआ था।

आदिवासी जो प्रकृति से सीधे संपर्क में रहते चले आ रहे थे। उन सबों की प्रकृति के साथ सीधे तालमेल बनाकर रहने की संस्कृति रही थी। आदिवासियों की वेशभूषा, रहन-सहन, संस्कृति और भाषा प्रकृति आधारित थी। वे जन्मना स्वभाव से भोले भाले मेहनतकश इंसान के रूप में जाने जाते थे। इतने वैज्ञानिक आविष्कारों और आधुनिकता के प्रचार प्रसार के बावजूद आज भी आदिवासियों में यह गुण पाई जाती है। ब्रिटिश हुकूमत के सिपाहियों के जुल्म के आदिवासियों ने कभी अपने घूंटने ने नहीं टेकें। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उन्होंने संघर्ष का मार्ग प्रशस्त किया। सभी आदिवासी समाज समाज एक मंच पर आए। सिदो -कान्हू, चांद - भैरव, फूलो - झानो ने आदिवासियों को एक मंच पर लाने के लिए पूरी शक्ति झोंक दी थी। आज इसी प्रतिफल है कि झारखंड की संस्कृति और पहचान उसी रूप में बनी हुई है।

अंग्रेजों के आने के बाद आदिवासियों पर तरह-तरह के जुल्म होने लगे थे। आदिवासी समाज अंग्रेजों के फरमानों से त्रस्त आ गए थे। आदिवासियों के बीच अंग्रेजों के खिलाफ धीरे-धीरे कर गुस्सा फूटता चला जा रहा था। आदिवासियों को उसके ही जल, जंगल और भूमि से बेदखल किया जा रहा था। यह बात आदिवासियों ने स्वीकार नहीं किया था। वे सभी धीरे-धीरे कर गोल बंद होते चले गए। यहीं से शुरू होती है, हूल शहादत की रक्त रंजित इतिहास की कहानी। आदिवासियों ने ब्रिटिश हुकूमत के सामने लड़ना स्वीकार किया, लेकिन झुकना स्वीकार नहीं किया। अंग्रेजों के फरमान को आदिवासी समाज ने दरकिनार कर जल, जंगल, भूमि और आजादी के लिए स्वयं को सहर्ष कुर्बान कर दिया।

झारखंड में निवास करने वाले हर झारखंड वासियों को यह जानना चाहिए कि आज हम सब जिस झारखंड प्रांत में निवास कर रहे हैं, उसकी भाषा, संस्कृति, रहन-सहन और वेशभूषा को बनाए रखने के लिए आदिवासियों ने एक बड़े संघर्ष का सामना किया था। आदिवासियों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ एक बड़े विद्रोह को प्रस्फुटित करना पड़ा था। संथाली भाषा में हूल का अर्थ होता है, विद्रोह। 30 जून, 1855 को झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया और चार सौ गांवों के पच्चास हजार से अधिक लोगों ने भोलना डीह गांव पहुंचकर जंग का ऐलान कर दिया था। यह विद्रोह, जिसका केंद्र झारखंड का संताल परगना था। 1855-56 में वीर सिदो - कान्हू के नेतृत्व में हुआ था। जल, जंगल जमीन और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए संताल जनजाति के प्रतिरोध की यह सबसे बड़ी घटना थी। अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की पहली लड़ाई थी। इसके पूर्व आदिवासी कभी भी गोल बंद होकर अंग्रेजों के खिलाफ ऐसी चट्टानी एकता का परिचय नहीं दिया था। वीर सिदो - कान्हू के नेतृत्व में पहली बार ऐसा विरोध प्रकट किया था। सिदो - कान्हू ने इसका नेतृत्व संयुक्त रूप से किया था। इन दोनों वीरों ने बहुत ही अदम्य साहस के साथ ब्रिटिश हुकूमत से मुकाबला किया था। वे दोनों भाई ब्रिटिश हुकूमत के हिट लिस्ट में आ गए थे। लेकिन वीर सिदो कान्हू जरा स भी इससे विचलित नहीं हुई बल्कि दूंगी ताकत के साथ अंग्रेजों के फरमानों का प्रतिकार किया था।

देश की आजादी की आजादी की पहली लड़ाई सन 1857 में मानी जाती है, लेकिन झारखंड के आदिवासियों ने 1855 में ही अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद कर दिया था। इस बात के प्रमाण को कई इतिहास के मर्मज्ञ शोधार्थियों ने अपने शोधों में प्रस्तुत किया है। 30 जून, 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज जिले के भगना डीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। इस मौके पर सिदो - कान्हू ने नारा दिया था, करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। आगे चलकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में उन्होंने सन 1942 में करो या मरो का नारा बुलंद किया था। महात्मा गांधी के इस आह्वान पर लाखों लोग आजादी के आंदोलन से जुड़ गए थे। जबकि इसका शुभारंभ 1855 में ही हो गया था।

आदिवासी समाज ने सिदो - कान्हू, चांद - भैरव, फूलो - झानो आदि की अगुवाई में माल गुजारी टैक्स नहीं देने के ऐलान किया था। इसके साथ ही उन्होंने अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का ऐलान भी किया गया था। इससे घबरा कर अंग्रेजों ने विद्रोहियों को रोकना शुरू कर दिया। इस दौरान ब्रिटिश हुकूमत के सिपाहियों ने आदिवासियों पर तरह-तरह की यातनाएं दी थी। आदिवासियों को कोड़ों से पीटा जाता था। उन्हें जेल में डाल दिया जाता था। जहां उन्हें कई कई दिनों तक भोजन पानी तक नसीब नहीं हो पता था। इन तमाम संकटों का सामना करते हुए आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के आगे झुकना स्वीकार नहीं किया था। अंग्रेज सरकार की ओर से आए जमीदारों और सिपाहियों का संथालों ने डटकर मुकाबला किया था। इस बीच इन्हे रोकने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की सभी हदें पार कर दीं थीं। सिदो और कान्हू को अंग्रेजों ने पकड़ लिया और उन्हें भोगनाडीह गांव में पेड़ से लटका कर 26 जुलाई, 1855 को फांसी दे दी थी। वीर सिदो - कान्हू को फांसी पर लटका दिए जाने के बावजूद आदिवासियों का विद्रोह रुक नहीं बल्कि धीरे-धीरे कर और प्रबल होता गया था। इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल क्रांति दिवस मनाया जाता है। हम सबों को यह जानना चाहिए कि इस महान हूल क्रांति में लगभग बीस हजार लोगों ने शहादत दी थी। हूल क्रांति दिवस हम सबों यह संदेश देता है कि जल, जंगल, जमीन और आजादी हर मनुष्य के जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक है। यह प्रकृति प्रदत्त है। जल पर कदापि बंदिश नहीं होना चाहिए। जंगलों में कुटिया बनाकर स्वतंत्रता से जीने का अधिकार आदिवासियों का है। इन क्षेत्रों की जमीनों पर पूरी स्वतंत्रता के साथ रहने का अधिकार आदिवासियों का है। उन्हें इस देश में पूर्ण संप्रभुता के साथ रहने का अधिकार है। हूल क्रांति दिवस पर हम समस्त झारखंड वासियों को यह संकल्प लेना चाहिए कि सिदो - कान्हू, चांद - भैरव, फूलो - झानो आदि ने जो आजादी की रक्षा के परम उद्देश्य को लेकर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ी थी, उस आजादी की रक्षा के लिए हर एक झारखंड वासी को आगे आने की जरूरत है। सच्चे अर्थों में आजादी की रक्षा का संकल्प ही सिदो - कान्हू, चांद - भैरव, फूलो - झानो सहित हजारों बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

सूडोकु नवताल- 7841

✶✶✶✶☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप [illegible]

सूडोकु नवताल -7840 का ह[illegible]

7	8	4	9	5	2	6	1	[illegible]
9	6	2	4	3	1	8	5	[illegible]
1	3	5	7	8	6	2	4	[illegible]
4	2	3	6	1	5	9	7	[illegible]
8	5	9	2	4	7	1	3	[illegible]
6	7	1	3	9	8	4	2	[illegible]
3	1	7	8	6	4	5	9	[illegible]

वीबी-जी राम जी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को करेगा मजबूत

डॉ.लोकेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने ग्रामीण सशक्तीकरण को लेकर बड़ा कदम उठाया है, जो एक जुलाई, 2026 से पूरे देश में वीबी-जी राम जी के नाम से लागू होने जा रहा है। मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) योजना पूरे देश के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। गांवों से रोजगार की तलाश में शहरों में हो रहे पलायन को रोकने के लिए यह एक कारागार कदम है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना में 95 हजार, 692 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जो ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन राशि है। राज्यों के राज्यांश सहित इस कार्यक्रम का कुल परिव्यय 1.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे प्रत्येक पात्र परिवार को अब एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन का रोजगार देने की वैधानिक गारंटी प्रदान की गई है। पहले श्रमिकों को 15 दिन में भुगतान किया जाता था, अब साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है। भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक अथवा डाकघर खातों में जाएगा, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी। वहीं, निर्धारित समय की अवधि में रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ते और मजदूरी भुगतान में देरी होने पर क्षतिपूर्ति देना भी वैधानिक प्रावधान है।

यह निर्णय ग्रामीण आय में वृद्धि और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन मौजूदा मनरेगा जॉब कार्ड के लिए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है, वे वीबी-जीरामजी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध बने रहेंगे। यह मनरेगा का एक उन्नत और आधुनिक रूप है। यह ग्रामीण परिवारों को एक साल में 125 दिन के गारंटीकृत रोजगार और समय पर मजदूरी नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ते की कानूनी गारंटी देता है। ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन तक के अकुशल शारीरिक काम करने की गारंटी दी जाती है। कृषि मौसम में 60 दिन की राहत प्रदान की गई। कृषि क्षेत्र में बुवाई और कटाई जैसे चरम समय के दौरान मजदूरों की कमी नहीं हो, इसलिए राज्य सरकारें 60 दिनों तक की अवधि की अग्रिम घोषणा करती हैं, जिनमें खेतों पर काम करने के लिए योजना के अंतर्गत काम रोक दिया जाता है। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से जल सुरक्षा, ग्रामीण व आजीविका संबंधी अवसंरचना (बुनियादी ढांचे) और आपदा शमन से जुड़े कार्य किए जाते हैं।

पारदर्शिता और डिजिटल तकनीक के तहत ग्राम पंचायतें ही योजनाओं की पहचान कर उन्हें लागू करेगी। इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित रिपोर्टिंग, रीयल-टाइम डैशबोर्ड) और सोशल ऑडिट के जरिए पारदर्शी बनाया गया है। यह योजना 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने का एक नया कानूनी ढांचा प्रदान किया है। विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 विकसित भारत 2047 के साथ संयोजित एक नई सांविधिक संरचना के साथ मनरेगा का स्थान लेता है। ग्रामीण परिवार की आय सुरक्षा सुदृढ़ होगी।

मनरेगा दो दशकों से भारत की सामाजिक सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की संरचना की आधारशिला रही है। 2005 में कार्यान्वित होने के बाद से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने रोजगार प्रदान करने, ग्रामीण आय को स्थिर करने और मूलभूत अवसंरचना निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। समय के साथ, ग्रामीण भारत की संरचना और लक्ष्य में काफी बदलाव भी आ गए हैं। मोदी सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025, (जिसे विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 भी कहा गया है) का प्रस्ताव रखा है। यह विधेयक मनरेगा में व्यापक वैधानिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जो ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2047 के दीर्घकालिक विजन के साथ संयोजित करता है और जवाबदेही, बुनियादी ढांचे के परिणामों और आय सुरक्षा को सुदृढ़ करता है।

देश की आजादी के बाद से ग्रामीण विकास की नीतियों का प्रमुख विषय निर्धनता कम करने, खेती की पैदावार को बेहतर बनाने और अधिशेष और कम काम वाले ग्रामीण मजदूरों के लिए रोजगार करने का सृजन रहा है। मजदूरी वाले रोजगार कार्यक्रम धीरे-धीरे ग्रामीण रोजगार की सहायता करने के मुख्य माध्यम बन गए हैं। सबसे पहले ग्रामीण श्रमबल कार्यक्रम (1960 का दशक) और ग्रामीण रोजगार के लिए क्रैश स्कीम (1971) जैसे आरम्भिक कार्यक्रमों के साथ भारत के मजदूरी रोजगार पहलों की विविध चरणों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति हुई। इनके बाद 1980 और 1990 के दशक में अधिक संरचित प्रयास किए गए, जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम को शामिल किया गया। इस योजना को बाद में जवाहर रोजगार योजना (1993) में विलय कर दिया गया। 1999 में यह सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना में संघटित हो गई, जिसका उद्देश्य कवरेज और समन्वय में सुधार करना था। रोजगार आश्वासन योजना और काम के बदले अनाज कार्यक्रम जैसी पूरक योजनाओं ने मौसमी बेरोजगारी और खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देकर एक ग्रामीण बेरोजगारी के कुछ दंश को शांत करने में मददगार साबित हुई। 1977 के महाराष्ट्र रोजगार गारंटी अधिनियम के साथ एक बड़ा बदलाव आया, जिसने काम करने के वैधानिक अधिकार की अवधारणा प्रस्तुत की गई।

दैनिक पंचांग

30 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

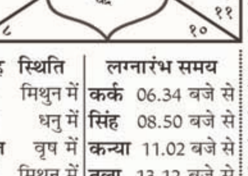

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.34 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.50 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.02 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.12 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.27 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.08 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	मेष	00.38 बजे से
		वृष	02.18 बजे से
		मिथुन	04.16 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि पूर्णिमा 05.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा अहोरात्र।
योग ब्रह्म 15.19 बजे को समाप्त।
करण बव 05.27 बजे तदनन्तर बालव 18.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872756
जूलियन दिन 2461221.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 14
विशेष इष्टि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर डीसी ने की प्रेसवार्ता, आज से घर-घर जाएंगे बीएलओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) 2026 के अंतर्गत 30 जून से प्रारंभ होने वाले इन्यूमरेशन (गणना) चरण के संबंध में उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी, साहिबगंज ने समाहरणालय सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की अर्हता तिथि 1 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। उन्होंने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे तथा नियमानुसार भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। इस अवधि में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य भी पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि 5 अगस्त 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने, अनमैप्ड मतदाताओं एवं अन्य विसंगतियों के संबंध में नोटिस निर्गत करने, सुनवाई एवं दावों के निस्तारण की प्रक्रिया चलेगी। 7 अक्टूबर 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया दो प्रमुख चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण में घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया संचालित होगी, जिसमें नियमानुसार फॉर्म-6 एवं फॉर्म-7 भी स्वीकार किए जाएंगे। उपायुक्त ने बताया कि पिछले दिनों जिले के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, वोलंटियर्स तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मियों का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है। निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निदेशानुसार संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि 30 जून को पूर्वाह्न 11 बजे जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ, बीएलए-2 एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में दो पृष्ठीय जागरूकता पत्रक का वाचन कर इन्यूमरेशन चरण का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार किए गए विभिन्न आईईसी प्रचार सामग्री एवं जागरूकता वीडियो भी सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित किए जाएंगे ताकि मतदाताओं तक सही जानकारी पहुंचे तथा किसी प्रकार की भ्रांतियों का निवारण हो सके। उन्होंने बताया कि इन्यूमरेशन चरण में प्रत्येक बीएलए-2 अधिकतम 50 गणना प्रपत्र मतदाताओं से प्राप्त कर निर्धारित घोषणा-पत्र के साथ बीएलओ को उपलब्ध करा सकते हैं। वहीं दावा एवं आपत्ति चरण में नियमानुसार एक दिन में अधिकतम 10 तथा संपूर्ण अवधि में अधिकतम 30 आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं। प्रेस वार्ता के दौरान पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन्यूमरेशन चरण में किसी भी प्रकार के दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेज केवल दावा एवं आपत्ति चरण में अथवा संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा जारी नोटिस के उपरांत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लिए जाएंगे।

हूल दिवस से पहले भोगनाडीह के ग्राम प्रधान समेत 53 लोगों को नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट स्थित ऐतिहासिक भोगनाडीह गांव में आयोजित होने वाले 171वें अमर शहीद सिद्धू-कानू मुर्मू हूल दिवस समारोह से पहले प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। शांति एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भोगनाडीह के ग्राम प्रधान बबलू हासंदा, सिद्धू-कानू के वंशज मंडल मुर्मू समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों के कुल 53 लोगों को नोटिस जारी किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना प्रभारी द्वारा भेजे गए प्रतिवेदन के आधार पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126/135 के तहत अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज अमर जॉन आईन्द की अदालत ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया है। सभी को 29 जून 2026 को न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। नोटिस में संबंधित व्यक्तियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 111 के तहत 10 हजार रुपये अथवा इस राशि के बराबर दो प्रतिभूतियों के साथ एक वर्ष का बॉन्ड पेपर न्यायालय में जमा करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए एहतियातन की गई है। नोटिस जारी होने के बाद भोगनाडीह के ग्राम प्रधान बबलू हासंदा, सिद्धू-कानू के वंशज मंडल मुर्मू तथा अन्य लोगों ने इसका विरोध जताया। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे अनुचित बताया। उनका कहना है कि हूल दिवस आदिवासी समाज की अस्मिता और गौरव से जुड़ा ऐतिहासिक आयोजन है, ऐसे में इस प्रकार की कार्रवाई लोगों के बीच गलत संदेश दे रही है।

ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तीन मोबाइल बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ बरहरवा एवं सीआईबी मालदा की संयुक्त टीम ने रविवार देर रात छापेमारी अभियान चलाकर एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से यात्रियों से चोरी किए गए तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। जानकारी के अनुसार, रात करीब 1:00 बजे आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में सीआईबी मालदा एवं आरपीएफ बरहरवा की संयुक्त टीम स्टेशन परिसर में असामाजिक तत्वों के विरुद्ध जांच एवं छापेमारी अभियान चला रही थी। टीम में उपनिरीक्षक नंदन कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल स्वपन कुमार घोष, हेड कांस्टेबल नूपुर बरन और सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार हांसदा शामिल थे।रात लगभग 1:24 बजे ट्रेन संख्या 63075 रामपुरहाट-बरहरवा पैसेंजर के प्लेटफॉर्म संख्या-4 पर पहुंचने के दौरान एफओबी रैंप के नीचे एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पूछताछ एवं तलाशी लेने पर उसकी कमर में छिपाकर रखे गए तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान आसिक शेख (26 वर्ष), पिता केताब शेख, निवासी मियापाड़ा, खालतीपुर, थाना कालियाचक, जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि बरामद तीन मोबाइलों में से दो ट्रेन संख्या 13148 उत्तरबंगा एक्सप्रेस तथा एक ट्रेन संख्या 63075 रामपुरहाट-बरहरवा पैसेंजर में यात्रियों से चोरी किए थे। आरोपी ने यह भी कबूल किया कि वह आदतन ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी कर उन्हें बेचकर अवैध आर्थिक लाभ कमाता है। कड़ी पूछताछ में यह भी सामने आया कि उसके खिलाफ थाना कालियाचक में चोरी एवं डकैती समेत दो-तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर बरामद तीनों मोबाइल फोन एवं लिखित शिकायत के साथ अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी बरहरवा को सौंप दिया गया।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण में राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के सफल एवं पारदर्शी संचालन को लेकर सोमवार को उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल की अध्यक्षता में विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए राजनीतिक दलों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी पात्र मतदाता निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना गणना प्रपत्र अवश्य भरें, ताकि प्रारूप मतदाता सूची-2026 में उनका नाम दर्ज हो सके तथा मतदाता सूची में उनका नाम बना रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई मतदाता स्वयं हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है, तो परिवार का कोई सदस्य भी उनकी ओर से गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर कर सकता है। बैठक को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं नियमसम्मत है। आम नागरिकों तथा राजनीतिक दलों को संविधान एवं निर्वाचन प्रक्रिया पर पूर्ण विश्वास रखना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटेगा।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के माध्यम से मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के प्रति जागरूक करने तथा अधिक से अधिक लोगों से गणना प्रपत्र भरवाने में सहयोग करने का आग्रह किया, ताकि मतदाता सूची अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बन सके। बैठक में बताया गया कि यदि किसी मतदाता का नाम पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में दर्ज है, तो उसे किसी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। पूर्व रक्षकी मतदाता सूची में दर्ज विवरण उनके पुत्र-पुत्रियों के लिए अभिभावक प्रमाण के रूप में भी मान्य होगा। वहीं, जिन मतदाताओं अथवा उनके माता-पिता का नाम पूर्व रक्षकी मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 वैकल्पिक दस्तावेजों में से किसी एक की स्व- अभिप्रमाणित प्रति गणना प्रपत्र के साथ जमा करनी होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि केवल आधार कार्ड की प्रति पर्याप्त नहीं होगी। आधार के साथ निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक की स्व- अभिप्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

पुलिस पर पथराव मामले में 20 नामजद, 40-50 अज्ञात पर केस दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर कथित रूप से ईंट-पत्थर से हमला करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने तथा गश्ती वाहन को क्षतिग्रस्त करने के मामले में राधानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राधानगर थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) श्रीलाल हांसदा के लिखित आवेदन के आधार पर राधानगर थाना कांड संख्या 229/26 दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, आरोप है कि कुछ लोगों ने नाजायज मजमा बनाकर सात लोगों को बंधक बना लिया था। पुलिस टीम द्वारा उन्हें छुड़ाने का प्रयास किए जाने पर आरोपितों ने सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की, जबरन पैसे की मांग की तथा पुलिस बल पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस घटना में पुलिस के गश्ती वाहन को क्षति पहुंची और कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में फरजुल शेख, पिता गुलामउदीन शेख, सहित 20 नामजद एवं 40झ50 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 191(2), 191(3), 127(2), 115(2), 117(2), 109(2), 132, 324(2), 308(3) एवं 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलेभर में चुनावी पाठशालाओं एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लबों के माध्यम से चला व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत आज जिले के सभी चुनावी पाठशालाओं तथा +2 विद्यालयों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में गठित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से व्यापक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाते हुए यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। सभी चुनावी पाठशालाओं एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लबों में नोडल पदाधिकारियों की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भावी मतदाताओं, युवा मतदाताओं एवं क्लब के सदस्यों को विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की कार्ययोजना, गणना चरण की गतिविधियों तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन की पूरी प्रक्रिया से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त Leaflet-1 एवं Poster-1 एवं 2 में अंकित महत्वपूर्ण जानकारियों का वाचन करते हुए प्रतिभागियों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, विलोपन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। बैठक में विशेष रूप से 01 अक्टूबर, 2026 तक अर्हता प्राप्त करने वाले नए मतदाताओं के पंजीकरण, आवेदन प्राप्त करने एवं पात्र नागरिकों का समयबद्ध नामांकन सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों एवं युवाओं से अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के सभी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। चुनावी पाठशालाओं से संबंधित गतिविधियों में संबंधित बी.एल.ओ. के साथ संबद्ध वालंटियर भी उपस्थित रहकर आवश्यक सहयोग प्रदान करते रहे। वहीं PVTG एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों का अनुश्रवण संबंधित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (अएफ्ड) द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

एक नजर

पाडेरबथान के पास टेंपो-पिकअप की टक्कर, 6 घायल

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत पाडेरबथान के समीप मंगलवार को एक टेंपो और पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में टेंपो सवार 6 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार घायलों में देवेन्द्र महतो 85 वर्ष नेपनीया, थाना गोड्डा, जिला गोड्डा के रहने वाले बताए जा रहे हैं, वही नंद महतो 59 वर्ष, चम्पा देवी 45 वर्ष, कुमकुम कुमारी 17 वर्ष, चिंतामन महतो 60 वर्ष और मेंटिना देवि 45 वर्ष शामिल हैं। सभी खसिपा, थाना हसडीहा, जिला गोड्डा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज रफ्तार पिकअप ने सामने से आ रहे टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो सड़क किनारे पलट गया। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।सूचना मिलते ही बरहेट पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है।

मुफ्फसिल पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 60/26, दिनांक 03/06/26, धारा 126(2)/115(2)/329(2)/351(2)/352/74/78/79/3(5) बीएनएस एवं 66/67ई आईटी एक्ट के प्राथमिक अभियुक्त मो. राज खान पिता नफील खान, साकिन महादेवगंज मुस्लिम टोला, थाना मुफ्फसिल जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर उचित मार्गदर्शी दल के साथ न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच निकली भव्य स्नान रथयात्रा

साहिबगंज: स्नान पूर्णिमा पर प्रभु श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा व स्नान महोत्सव के पावन अवसर पर श्री श्री जगन्नाथ सेवा समिति की ओर से प्रभु श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर प्रांगण से निकाली गई। रथयात्रा मंदिर प्रांगण से निकलकर पुलिस लाइन, सुभाष कॉलोनी, पोखरिया पूर्वी फाटक, कॉलेज रोड, ग्रीन होटल चौक, स्टेशन चौक, पटेल चौक, चौक बाजार होते हुए भरतीया कॉलोनी स्थित अयोध्याधाम पहुंची। रथयात्रा में जय जगन्नाथ का खूब जयकारा लगा। भक्त झूमते नाचते प्रभु जगन्नाथ को रस्सी से खींचकर नगर भ्रमण कराया। वही अयोध्यधाम में प्रभु का भव्य स्नान कराया गया। जिसमें गंगा जल, आम रस, गुलाब जल, दही, दूध, घी, सहस्त्र धारा से स्नान कराया गया और प्रभु का श्रृंगार करके पूजन आरती किया गया और 56 भोग लगाया गया। वही भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक और वैज्ञानिक के सूने घरों में लाखों की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए संदिग्ध

पाकुड़ : नगर थाना क्षेत्र के सिंधीपाड़ा मोहल्ले में अज्ञात चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने एक शिक्षक और एक वैज्ञानिक के घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, नकदी तथा अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। सोमवार को घटना का खुलासा होते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सिंधीपाड़ा निवासी शिक्षक मृदुल भट्टाचार्य के घर का मुख्य दरवाजा और लॉकर तोड़कर चोर अंदर घुस गए। उन्होंने घर के कई कमरों को खंगालते हुए अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और पीतल के बर्तन समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात के बाद पूरे घर का सामान बिखरा हुआ मिला। मृदुल भट्टाचार्य की सास एवं सेवानिवृत्त शिक्षिका अल्पना चटर्जी ने बताया कि मृदुल बड़हड़वा के बिंदुपाड़ा स्थित विद्यालय में शिक्षक हैं। घटना के समय पूरा परिवार किसी आवश्यक कार्य से बिंदुपाड़ा गया हुआ था। वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। उन्होंने बताया कि चोरी हुए सामान का सही मूल्यांकन मृदुल भट्टाचार्य के लौटने के बाद ही हो सकेगा। इसी मोहल्ले में रहने वाले वैज्ञानिक अमित कुमार के घर में भी चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। अमित कुमार के ससुर जयनंदन शाह ने बताया कि परिवार दो दिन पहले एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बड़हड़वा गया था। इसी दौरान चोरों ने सूने घर में घुसकर कीमती सामान चोरी कर लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। फुटेज में हेलमेट पहने दो संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल से आते-जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। फिलहाल चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है और मामले की जांच जारी है।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर उप विकास आयुक्त ने की प्रेसवार्ता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणाल स्थित सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में उप विकास आयुक्त द्वारा भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त कार्यक्रम की जानकारी दी गई। उन्होने बताया कि इन्यूमरेशन फेज (30.06.2026 से 29.07.2026) के दौरान मतदाताओं से कोई भी दस्तावेज प्राप्त/एकत्र नहीं किया जाना है। इस दौरान बी.एल.ओ. द्वारा मतदाताओं को उपलब्ध कराये जाने वाले गणना प्रपत्र में आवश्यक विवरणी भरकर नवीनतम फोटो बीएलओ के द्वारा मोबाइल से लिया जाएगा। मानचित्रित और गैर-मानचित्रित सभी मतदाताओं के द्वारा गणना प्रपत्र भर कर अपने बी.एल.ओ. को जमा करना है। गणना प्रपत्र पर प्रवासी श्रमिकों, झारखण्ड से बाहर पढ़ रहें छात्रों आदि के परिवार के सदस्य द्वारा संबंध के प्रकार और नाम का उल्लेख करते हुए, ECINET के माध्यम से ऑनलाईन या बी.एल.ओ. से इलेक्ट्रॉनिक रूप में व्यक्तिगत गणना प्रपत्र प्राप्त करके हस्ताक्षर किए जा सकते है और वे हस्ताक्षरित गणना फॉर्म को इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों से बी.एल.ओ. को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेज सकते हैं। सत्यापन अवधि (05.08.2026 से 03.10.2026) के दौरान दस्तावेज केवल उन्हीं चिन्हित मतदाताओं से एकत्र किए जायेंगे जिन्हें नोटिस निर्गत किया जायेगा।

मोतीझरना में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित लगभग एक टन कचरे का निष्पादन

साहिबगंज: वन प्रमंडल द्वारा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मोतीझरना में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। यह अभियान वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों, वन सुरक्षा समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से मोतीझरना परिसर की व्यापक साफ-सफाई की। इस दौरान लगभग एक टन प्लास्टिक एवं अन्य ठोस अपशिष्ट एकत्र कर उसका वैज्ञानिक ढंग से निष्पादन किया गया। अभियान के उपरांत पर्यटन स्थल का प्राकृतिक सौंदर्य और अधिक स्वच्छ एवं आकर्षक रूप में निखरकर सामने आया। इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने पर्यटकों से मोतीझरना की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थलों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने आगंतुकों से अनुरोध किया कि परिसर में प्लास्टिक, बोतलें, खाद्य सामग्री के रैपर अथवा अन्य किसी प्रकार का कचरा न फैलाएँ तथा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यटन को बढ़ावा देने में अपना योगदान दें। स्वच्छता अभियान के उपरांत दरकला एवं मंडई गाँव के आदिवासी परिवारों के बीच 60 धुआँ रहित उन्नत चूल्हों का वितरण किया गया। इस अवसर पर डीएफओ प्रबल गर्ग ने बताया कि ये उन्नत चूल्हे सामान्य लकड़ी से संचालित होते हैं, किंतु विशेष तकनीक के कारण इनमें अत्यंत कम धुआँ उत्पन्न होता है। साथ ही ईंधन की दक्षता बढ़ने के कारण लकड़ी की खपत में कमी आएगी तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में वनपाल राणा रंजीत चौधरी, प्रधान वनरक्षी प्रेम कुमार, पप्पू कुमार, सनी रजक सहित वन विभाग के सभी प्रधान वनरक्षी, वनकर्मी, वन सुरक्षा समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रहेट में नारी अदालत की बैठक, महिलाओं को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

साहिबगंज: जिले के बरहेट बाजार में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, साहेबगंज सह केन्द्र प्रशासक, सखी वन स्टॉप सेंटर, साहेबगंज पूनम कुमारी की अध्यक्षता में नारी अदालत की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महोदया ने नारी शक्ति, महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है तथा समाज में समान अवसर एवं सम्मान प्राप्त करने के लिए आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनना चाहिए। साथ ही महिलाओं से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, भेदभाव या अन्य समस्याओं की स्थिति में नारी अदालत में अपने समस्या का समाधान करने एवं महिला हेल्प लाइन नंबर 181 को सूचना देकर सहायता प्राप्त करें। बैठक में उपस्थित महिलाओं को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकार, सरकारी योजनाओं तथा सामाजिक सहभागिता के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक, आत्मविश्वासी एवं न्याय प्राप्ति के प्रति प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में बरहेट बाजार मुखिया महिला पर्यवेक्षिका वार्ड सदस्य संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देख रेख साहेबगंज, कार्यक्रम अधिकारी सी3, चाइल्ड हेल्प लाइन साहेबगंज के परियोजना समन्वयक एवं अन्य गणमान्य महिला उपस्थित रहे। नारी अदालत का प्रत्येक महीने में दो बार बैठक करना है एवं अपने पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना है। ताकि आम महिलाओं को जागरूक किया जाए। साथ ही बाल मित्र पुलिस पदाधिकारी रांगा एवं थाना प्रभारी से औपचारिक मुलाकात कर बच्चों से संबंधित सभी प्रकार के कानूनी जानकारी दी गई।

एक नजर

बालीडीह मोड़ दुर्गा मंदिर में वज्रपात से क्षतिग्रस्त हुआ मंदिर

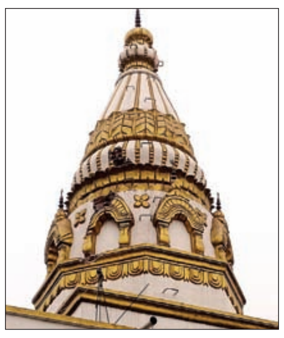

बोकारो : एनएच 23 किनारे स्थित बालीडीह मोड़ दुर्गा मंदिर में सोमवार दोपहर को वज्रपात हो गया। इस वज्रपात से मंदिर के ऊपरी हिस्से का तीन स्थान डैमेज हो गया। इस वज्रपात के बाद से ग्रामीण क्षेत्र में कई तरह की चर्चा शुरू हो गई है। इस क्षेत्र यह पहला मामला है, जब किसी मंदिर में वज्रपात हुआ है।

करीब डेढ़ वर्ष पूर्व बना मंदिर - स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब डेढ़ से दो वर्ष पूर्व मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य संपन्न हुआ। लेकिन मंदिर निर्माण के बाद से अभी तक मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा नहीं हुआ। हालांकि हर वर्ष आश्विन मास में नियमित दुर्गा पूजा का आयोजन होता है।

धनबाद ईवीएम वेयरहाउस की त्रैमासिक जांच में सुरक्षा व्यवस्था मिली दुरुस्त

धनबाद: धनबाद के कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयरहाउस की त्रैमासिक समीक्षा सोमवार को जिला प्रशासन और निर्वाचन विभाग की मौजूदगी में की गई। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस के सभी कमरों को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला गया और ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जांच में सभी मशीनें सुरक्षित और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। त्रैमासिक समीक्षा के दौरान मुख्य चुनाव पदाधिकारी के रवि कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन, एसडीएम लोकेश बारंगी, सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। निरीक्षण के बाद मुख्य चुनाव पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि ईवीएम वेयरहाउस में रखी सभी मशीनें सुरक्षित हैं और भवन की सुरक्षा व्यवस्था भी सामान्य पाई गई है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी मानकों की जांच की गई है और इसकी रिपोर्ट तैयार कर निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी। हालांकि वेयरहाउस भवन का अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी एनओसी अभी प्राप्त नहीं हुआ है, जिसका उल्लेख रिपोर्ट में किया जाएगा। के रवि कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार प्रत्येक तीन महीने पर राज्य के सभी जिलों में ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया जाता है।

NOTICE

IN THE COURT OF SUB DIVISIONAL MAGISTRATE/ EXECUTIVE MAGISTRATE, Chandil

I, **Girish Chandra Mahato**, son of Late Hoga Mahato, resident of Village Heremuli, P.O. Tiruldih, P.S. Tiruldih, District Saraikela-Kharsawan, Jharkhand, hereby declare by Affidavit No.- 2602274212, Sl.no.-70, Dated: 05/06/2026 as follows:-

1. That, **DIBESH KUMAR MAHATO** is my son and his actual and correct date of Birth is-01/01/2012 and accordingly it is written in his Date of Birth Certificate bearing Regd. no-B20242004376000050 issued on dated-14/12/2024, but which is wrongly written in his Aadhar Card his name **DIWESH KUMAR MAHATO** and Date of Birth 01/01/2010.

2. Henceforth, **DIBESH KUMAR MAHATO** and **DIWESH KUMAR MAHATO** shall be treated as one and the same person.

3. The correct name for all purposes shall be **DIBESH KUMAR MAHATO.**

अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का मास्टरमाइंड सहित चार गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जिला पुलिस की साइबर थाना टीम ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लोगों को बैंक अधिकारी बनकर फोन करता था और खाता बंद होने या केवाईसी अपडेट नहीं होने का डर दिखाकर उनके मोबाइल पर फर्जी एपीके फाइल भेजता था। जैसे ही पीड़ित उस फाइल को इंस्टॉल करता था,आरोपित उसके मोबाइल का पूरा एक्सेस हासिल कर बैंक खाते से रकम उड़ा लेते थे। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह अब तक करीब 30 लाख रुपये की साइबर ठगी की वारदातों को

अंजाम दे चुका है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ललित मीणा ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि कार्रवाई नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के प्रतिबिंब ऐप से प्राप्त सूचना के आधार पर की गई। ओडिशा निवासी भगीरथी मोहंती ने ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उनके बैंक खाते से 99,017 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई थी। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की।

जांच के दौरान ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर की लोकेशन मानगो थाना क्षेत्र के जवाहर नगर रोड नंबर-4 में मिली। इसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर थाना और मानगो थाना की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान संजय कुमार सिंह (39), राहुल कुमार रवानी (33), सुनील कुमार झा (31) और राहुल कुमार ठाकुर (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार राहुल कुमार रवानी इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। उसके खिलाफ वर्ष 2024 में जामताड़ा साइबर थाना में साइबर अपराध का मामला पहले से दर्ज है,जिससे उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी पुष्टि हुई है। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे मुख्य रूप से बैंक ऑफ इंडिया,यूको बैंक और एक्सिस बैंक के ग्राहकों को निशाना बनाते थे। आरोपित खुद को बैंक का अधिकारी बताकर फोन करते और खाते का केवाईसी अपडेट नहीं होने या बैंक खाता बंद होने की बात कहकर लोगों को डराते थे। इसके बाद वे व्हाट्सएप के माध्यम से एक फर्जी एपीके फाइल भेजते थे। जैसे ही पीड़ित उस फाइल को अपने मोबाइल में इंस्टॉल करता, साइबर ठगों को मोबाइल का रिमोट एक्सेस मिल जाता था। इसके बाद वे मोबाइल बैंकिंग, ओटीपी और अन्य गोपनीय जानकारियों का उपयोग कर खाते से रुपये निकाल लेते थे।

ब्रह्मर्षि परिवार की मासिक बैठक, 35 सदस्यीय संचालन समिति का गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की मासिक बैठक आज सेक्टर-श्क्क्क्स्थित बालाजी उत्सव मंडप में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ महान किसान नेता, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं श्रद्धांजलि देकर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों एवं शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अन्याय, शोषण एवं जमींदारी प्रथा के विरुद्ध संघर्ष कर किसानों को संगठित किया तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती केवल एक किसान नेता ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के महान वाहक थे। उनका जीवन संघर्ष, त्याग, संगठन और समाज सेवा की प्रेरणा देता है। आज के समय में उनके विचार एवं आदर्श समाज को एकजुट करने तथा वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उपस्थित सदस्यों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की 35 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया। नवगठित समिति को संगठन की गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने तथा समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। धन्यवाद ज्ञापन कमलेश राय ने व संचालन देव नारायण सुधांशु ने किया, इस अवसर पर कमलेश राय, डॉ नरेन्द्र कुमार राय, आदि ने अपने विचारों को रखा।

बोकारो में महिलाओं को मिलेगा रोजगार बीएसएल ने किया एमओए पर हस्ताक्षर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक दायित्व विभाग ने महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 29 जून को 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत 'रचयित्री' प्रोजेक्ट के तहत बोकारो के परिक्षेत्रीय गांवों की जरूरतमंद महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने हेतु कांथा स्टिच एम्ब्रॉयडरी, ब्यूटी थेरेपिस्ट कोर्स और ऑर्गेनिक साबुन बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन के साथ महाप्रबंधक , 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' की सेक्रेटरी सुश्री डोलन मुखर्जी सहित सीएसआर टीम के सदस्य उपस्थित थे। 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' ने इस प्रोजेक्ट के महत्व और इससे जुड़ी महिलाओं को होने वाले फायदों के बारे में इस दौरान जानकारी साझा की। ज्ञातव्य है कि इस प्रोजेक्ट में बोकारो के आस-पास के क्षेत्रों की 25 जरूरतमंद महिलाओं को शामिल किया जाएगा, जिन्हें कांथा स्टिच, ऑर्गेनिक साबुन बनाना और ब्यूटीशियन कोर्स की ट्रेनिंग दी जाएगी. पूरे प्रोजेक्ट की अवधि 12 महीने है, जिसमें प्रशिक्षण प्रदान कर हैंडहोल्डिंग और प्रोजेक्ट से जुड़ी महिलाओं के लिए आय के साधन सुनिश्चित करना शामिल है। यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने परिधीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर बीएसएल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि निगमित सामाजिक दायित्व के माध्यम से एक समृद्ध और समावेशी समाज के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

डीएवी सेक्टर-4 में क्षमता संवर्धन कार्यशाला का समापन, 300 शिक्षकों ने लिया हिस्सा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4 में आयोजित त्रि-दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आज गरिमामय समापन समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में डीएवी -4 तथा डीएवी इस्पात विद्यालयों के लगभग 300 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर शिक्षा के प्राथमिक,माध्यमिक एवं उच्चतर स्तरों के शैक्षणिक एवं प्रायोगिक विकास संबंधी सत्रों का लाभ उठाया। कार्यशाला के दौरान उपस्थित अति प्रतिष्ठित रिसोर्स पर्सनस जिनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय राहुल रॉय सीबीएसई ट्रेनर चिन्मया, झूमा महता, एवं मृणाल पाठक ने शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल शिक्षा, नवाचार आधारित शिक्षण, पर्यावरणीय जागरूकता, प्रभावी कक्षा-शिक्षण तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास जैसे विविध विषयों पर व्यावहारिक एवं ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतिभागी शिक्षकों ने संवादात्मक गतिविधियों, समूह चर्चाओं एवं अभ्यास सत्रों के माध्यम से अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार किया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने कहा कि शिक्षक का सतत सीखना ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि क्षमता संवर्धन कार्यशालाएँ शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक प्रवृत्तियों, नवाचारों एवं आधुनिक शिक्षण तकनीकों से जोड़ती हैं, जिससे विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रचनात्मक और आनंददायक बनती है। उन्होंने त्रि दिवसीय कार्यशाला में अपना सत्र प्रस्तुत करने वाले सभी रिसोर्स पर्सन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुभव, विशेषज्ञता और प्रेरक मार्गदर्शन ने इस कार्यशाला को अत्यंत सार्थक एवं सफल बनाया। साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागी शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता, सीखने की प्रतिबद्धता और उत्साह की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का सकारात्मक प्रभाव विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अवश्य दिखाई देगा।

बैंकों के खराब प्रदर्शन पर डीसी सख्त 15 जुलाई तक मांगी कार्ययोजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति ,जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं आरसेटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों के क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो की समीक्षा के दौरान खराब प्रदर्शन पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक सहित कई बैंकों के असंतोषजनक प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए सुधार के सख्त निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि बैंकों की भूमिका जिले के आर्थिक विकास में अहम है, लेकिन वर्तमान स्थिति निराशाजनक है। उन्होंने छोटे ऋण वितरण पर विशेष जोर देते हुए आम लोगों, किसानों एवं छोटे व्यवसायियों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने का निर्देश दिया। साथ ही प्रत्येक बैंक को दो सफल ऋण लाभार्थियों की सक्सेस स्टोरी तैयार कर जिला प्रशासन को सौंपने को कहा। मानसून में देरी को देखते हुए खरीफ फसल के लिए 15 जुलाई तक विशेष कृषि ऋण कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में बैंक प्रतिनिधियों की कम भागीदारी पर भी नाराजगी जताई गई और उन्हें जिम्मेदारी के साथ सक्रिय संवाद सुनिश्चित करने को कहा गया।

वेदांता ने एक दशक में सरकारी खजाने में करीब रु5 लाख करोड़ का दिया योगदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विविध प्राकृतिक संसाधनों में देश की अग्रणी कंपनी वेदांता लिमिटेड ने कंपनी की 11वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 26 में सरकारी खजाने में रु 62,722 करोड़ का योगदान दिया है। यह रिपोर्ट देश के निर्माण और पारदर्शी प्रशासन गवर्नेंस के लिए वेदांता की प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है। यह योगदान कंपनी के संचालन से होने वाले कुल राजस्व का 36 फीसदी है, जो भारत के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। यह पिछले साल की तुलना में योगदान में 13.3 फीसदी की बढ़ोतरी है, जिसके साथ पिछले दस सालों में सरकारी खजाने में वेदांता का कुल योगदान रु4,83,034 करोड़ हो गया है। कंपनी ने वित्तीय अनुशासन, राष्ट्र-निर्माण और विकसित भारत मिशन को समर्थन देने पर विशेष रूप से ध्यान दिया है। यह ग्रुप सरकारी खजाने में योगदान देने वाले भारत के टॉप 3 प्राइवेट सेक्टरों के सदनों में शामिल है। सरकारी खजाने में यह योगदान वित्तीय वर्ष 26 में वेदांता के सबसे अच्छे फाइनेंशियल परफॉर्मेंस की वजह से हुआ। इस अवधि में कंपनी का राजस्व 15 फीसदी बढ़कर रु 1,74,075 करोड़ हो गया - जो कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा है-जबकि म्ठप्ज्क। 29 फीसदी बढ़कर रु55,976 करोड़ पर पहुंच गया। इसी तरह कर के बाद मुनाफा (पीएटी) 22 फीसदी बढ़कर रु25,096 करोड़ हो गया। कंपनी की बैलेंस शीट भी काफी मजबूत हुई, शुद्ध ऋण म्ठप्ज्क। के मुकाबले 1.22 गुना से बेहतर होकर 0.95गुना हो गया - जो 14 तिमाहियों में इसका सबसे अच्छा स्तर है। वेदांता के अलग-अलग तरह के बिजनेस पोर्टफोलियो-जिसमें जिंक-लेड-सिल्वर, एल्युमीनियम, कॉपर, आयरन ओर, स्टील, पावर, निकेल, क्रोम और ऑयल एंड गैस शामिल हैं - में मजबूत ऑपरेशनल परफॉर्मेंस की वजह से कंपनी का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस भी बहुत अच्छा रहा। जिंक ने रु 19,053 करोड़ के साथ सबसे अधिक योगदान दिया, इसके बाद एल्युमीनियम का योगदान रु 15,788 करोड़ और ऑयल एंड गैस (जिसे अब वेदांता ऑयल एंड गैस के तौर पर लिस्ट किया गया है) का योगदान रु 11,697 करोड रहा - यह महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा के क्षेत्र में वेदांता के पोर्टफोलियो के विस्तार और विविधता को दर्शाता है। इस रिपोर्ट का 11वां संस्करण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वेदांता के टैक्स योगदान का विस्तृत ब्यौरा देता है। सरकारी रॉयल्टी और प्रॉफिट पेट्रोलियम इसमें राजस्थान, ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक और असम की राज्य सरकारों को बॉक्साइट, लेड-जिंक, सिल्वर, आयरन ओर, क्रूड ऑयल और नैचुरल गैस के लिए दी गई रॉयल्टी, साथ ही प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट के तहत भारत सरकार को दिया गया प्रॉफिट पेट्रोलियम शामिल है। इनकम और कैपिटल पर टैक्स इसमें सभी अधिकार क्षेत्रों में कानूनी रिटर्न में फाइल किए गए कॉर्पोरेट इनकम टैक्स शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के साथ डीईओ की बैठक

बोकारो : सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया की सफलता में राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी दलों से अपने-अपने बीएलए-2 को मंगलवार सुबह 10:30 बजे तक संबंधित मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित कराने का आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की संयुक्त बैठक आयोजित होगी, जिसमें प्रक्रिया, दायित्वों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। डीईओ ने मतदाताओं को एन्यूमरेशन प्रपत्र भरने के लिए प्रेरित करने की अपील करते हुए कहा कि इससे मतदाता सूची अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाई जा सकेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। साथ ही 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं को प्रपत्र-06 भरने के निर्देश दिए गए।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी का वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा वार्षिक क्लब पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे रोटरी वर्ष के दौरान सेवा भावना, सौहार्द और टीमवर्क का उत्सव मनाया गया। अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए क्लब को मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने कहा कि प्रत्येक रोटेरियन ने क्लब की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने सभी सदस्यों को परिवार सहित मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया। क्लब द्वारा डॉ. एस.सी. मुंशी, डॉ. जॉन लियू, डॉ. अनिल त्रेहन, चंद्रिमा राय एवं संध्या राज को एक्सेम्पलरी रोटारियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं रोटारियन ऑफ द ईयर अवार्ड अशोक तनेजा, डॉ. राजदीप, प्रदीप राय एवं घनश्याम दास को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सचिव घनश्याम दास को विशेष सम्मान भी दिया गया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा "क्रिएटिंग लस्टिंग इम्पैक्ट " की भावना के साथ सेवा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलराम का महा स्नान, भक्तों में उमड़ी आस्था

बोकारो : पूर्णिमा के पावन अवसर पर सेक्टर-4 एफ स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलराम का महा स्नान विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान को लेकर मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान को 108 कलशों के पवित्र जल से स्नान कराया गया, जिसे ह्यमहा स्नानह्ण कहा जाता है। महा स्नान के दौरान गंगाजल, चंदन, केसर, पुष्प और विभिन्न सुगंधित द्रव्यों का उपयोग किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिससे माहौल और अधिक आध्यात्मिक हो गया। महा स्नान के उपरांत परंपरा के अनुसार भगवान विश्राम (अनवसर काल) के लिए चले जाएंगे। इस दौरान नियमित दर्शन कुछ समय के लिए स्थगित रहेंगे। इसके पश्चात 14 और 15 जुलाई को श्रद्धालुओं को पुन: भगवान के दर्शन का अवसर प्राप्त होगा। तत्पश्चात 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलराम सेक्टर-1 स्थित राम मंदिर मौसीबाड़ी प्रस्थान कर वहां विश्राम करेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महा स्नान के दर्शन से सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत, चार बच्चे घायल

पश्चिमी सिंहभूम: जिले के मंझगांव थाना क्षेत्र में सोमवार को हुई तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक की मौत हो गई, चार बच्चे घायल हो गए। इसके अलावा एक युवती भी गंभीर रूप से झुलस गई। लगातार हुई इन घटनाओं से इलाके में भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मंझगांव के क्षेत्रीसाई गांव में दोपहर के समय तेज बारिश के बीच विक्की पिंगुवा (19) अपने घर में चार बच्चों के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आने से विक्की गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ मौजूद अंजलि सिरका, आयुष सिरका, कृष्ण मुंडा और अंजू सिरका भी आकाशीय बिजलीसे झुलस गए। घटना के तुरंत बाद परिजन और ग्रामीण सभी को मंझगांव रेफरल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद विक्की पिंगुवा को मृत घोषित कर दिया। घायल चारों बच्चों का इलाज अस्पताल में जारी है और उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर मंझगांव थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। इसी दिन मंझगांव के नीचे टोला में भी आकाशीय बिजली गिरने की एक और घटना हुई। इसमें मंतारी पिंगुवा (20) गंभीर रूप से झुलस गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे चाईबासा सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

संक्षिप्त डायरी

मुकेश सहनी को पुलिस ने किया 'हाउस अरेस्ट', VIP सुप्रीमो बोले- यह लोकतंत्र पर हमला

पटना (एजेंसी)वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी को 'हाउस अरेस्ट' कर लिया गया है. इसके साथ ही उन्हें शाहजहांपुर जाने पर रोक लगा दी गई है. इस मामले में मुकेश सहनी का कहना है कि यह लोकतंत्र पर हमला है. विकासशील इंसान पार्टी (VIP) के सुप्रीमो मुकेश सहनी से जुड़ी खबर है. पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया है. साथ ही शाहजहांपुर जाने पर पाबंदी लगाने पर उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया है. मुकेश सहनी ने उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन पर अन्य गंभीर आरोप भी लगाए हैं. मुकेश सहनी ने कहा, उन्हें शाहजहांपुर और अन्य जनपदों के प्रस्तावित दौरे से रोकना यह ह्यअघोषित आपातकालह्न जैसी स्थिति को दशार्ता है. पुलिस अधीक्षक की तरफ से जारी लेटर में क्या निर्देश दिया गया? पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर के लेटर के आधार पर यह निर्देश दिया गया कि मुकेश सहनी के जनपद भ्रमण से कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है, जिसके चलते उन्हें लखनऊ में ही रोके जाने की बात कही गई है और उनके आवागमन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं. मुकेश सहनी ने यह भी लगाया आरोप इस पर प्रतिक्रिया देते हुए वीआईपी प्रमुख ने कहा कि सरकार जनता के चुने हुए और जनहित में कार्य करने वाले नेताओं की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन हो रहा है और सरकार असहमति की आवाजों से भयभीत है. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें मुकेश सहनी ने कहा, सरकार अब लोगों के आने-जाने पर प्रतिबंध लगा रही है, जो सीधे तौर पर लोकतंत्र पर हमला है. यदि किसी जनप्रतिनिधि को अपने कार्यक्रम में जाने से रोका जाता है तो यह स्पष्ट करता है कि सरकार चर्चा और संवाद से भाग रही है. हक और अधिकार की लड़ाई को रोकने की कोशिश का आरोप उन्होंने आगे कहा कि निषाद समाज के हक, अधिकार और आरक्षण की लड़ाई को रोकने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे आंदोलन कमजोर नहीं होगा. निषाद समाज अब जाग चुका है और अपने सम्मान और अधिकारों की लड़ाई आखिरी दम तक लड़ेगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्रवाई से जनता में असंतोष बढ़ेगा और पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी.

बिहार को जल्द मिलेगी 15 हजार करोड़ की सौगात, यहां होगा NH, बाइपास और पुलों का निर्माण

पटना (एजेंसी) बिहार को लगभग 15 हजार करोड़ रुपये की सौगात जल्द ही मिलने वाली है. राज्य में एनएच, बाइपास और पुलों का निर्माण होने वाला है. पथ निर्माण विभाग की तरफ से केंद्र सरकार को डीपीआर भेजी गई है. इस तरह से बिहार में जल्द ही सड़कों की सूरत बदलने वाली है. बिहार को कई नई सड़कों की सौगात जल्द ही मिलने वाली है. कई जिलों में सड़कों की सूरत बदलने वाली है. राज्य में एनएच, बाइपास और नए पुलों का निर्माण होने वाला है. इसे लेकर पथ निर्माण विभाग की तरफ से डीपीआर तैयार कर लिया गया है और इसे केंद्र सरकारी को मंजूरी के लिए भेज दिया गया है. केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार मिली जानकारी के अनुसार, सभी परियोजनाओं की लागत लगभग 15 हजार करोड़ रुपये हैं. केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार किया जा रहा है. मंजूरी मिलते ही काम भी शुरू कर दिया जाएगा. सड़कों के बनने से जिलों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. समस्तीपुर, औरंगाबाद और बेतिया को नए बाइपास मिलेंगे जबकि जयनगर की बात करें तो, यहां बाइपास के साथ दो पुल भी बनाए जायेंगे. दोनों पुलों को कमला नदी पर बनाए जाने की योजना है. क्या कहना है विभाग के सचिव का? इसके अलावा सफिया सराय, डुमरांव, जहानाबाद और विक्रमगंज में रेलवे ओवरब्रिज बनाए जाने की भी प्लानिंग है, जिसकी लागत करोड़ों रुपये आंकी गई है. पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल की माने तो, जिलों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी और लोगों की सुविधाओं को देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि नए बाइपास के बनने से लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसने की जरुरत नहीं पड़ेगी. इन 3 बड़े प्रोजेक्ट को भी किया शामिल इसके साथ ही इसमें तीन बड़े प्रोजेक्ट को शामिल किया गया है. इनमें अरवल-बिहारशरीफ पथ शामिल है, जिसकी लंबाई लगभग 89 किलोमीटर है. इसके निर्माण में लागत 3844.69 करोड़ रुपये आंकी गई है. मसरख-चकिया-भिट्ठा मोड़ पथ, इसकी लंबाई लगभग 146 किलोमीटर है और इसकी लागत लगभग 8671.80 करोड़ रुपये बताई जा रही है. तीसरी और आखिरी प्रोजेक्ट है, बरबीघा से पंजवारा और सतीघाट पुल. इसकी निर्माण में लागत लगभग 974.37 करोड़ रुपये बताई जा रही है. इस तरह से बिहार को यह खास तोहफा जल्द मिल सकता है.

मुख्यमंत्री की गाड़ी को अचानक छात्रों ने क्यों रुकवाया जानिए क्या-क्या रखी मांगें

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की गाड़ी को घेरकर पटना साइंस कॉलेज के छात्रों ने रुकवाया. इस दौरान सीएम के सामने छात्रों ने कॉलेज की लचर व्यवस्था को लेकर शिकायत की. छात्रों की समस्या सुनकर सीएम ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का आश्वासन दिया. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को पटना साइंस कॉलेज पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने कॉलेज का औचक निरीक्षण किया. साथ ही यहां ह्ययूनिवर्सिटी ऑफ फिजिक्स एंड साइंसेजह्न की स्थापना करने का भी ऐलान किया. लेकिन इस दौरान एक वाकया यह भी देखा गया कि छात्रों ने अचानक सीएम सम्राट चौधरी की गाड़ी को घेरा और उसे रुकवाया. सीएम सम्राट के सामने रखी ये मांगे

इस दौरान सीएम सम्राट के गाड़ी से बाहर आते ही छात्रों ने कॉलेज की लचर व्यवस्था को लेकर शिकायत की. जानकारी के मुताबिक, छात्रों ने इस दौरान साइंस कॉलेज में ऑडिटोरियम के निर्माण, कॉलेज में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण, प्लेग्राउंड को मेट्रो की तरफ से अधिग्रहित किया गया है, उसे मुक्त करने की मांग समेत कई शिकायतें कीं. छात्रों की शिकायत सुनकर सीएम ने उसके जल्द समाधान का आश्वासन दिया है. सीएम ने छात्रों को दिया भरोसा छात्रों की शिकायत सुनने के बाद सीएम सम्राट चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को उन समस्याओं को देखने और जल्द कार्रवाई करने का आदेश दिया. इसके साथ ही कॉलेज के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कॉलेज में चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की और भविष्य के सुधारों से जुड़े कई प्रस्तावों की जानकारी ली थी. सीएम से बात करने वाले छात्रों का कहना था कि उन्होंने सभी समस्याएं सीएम को बताई है. साथ ही सीएम से उन्हें व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का भरोसा भी मिला है. बिहार से जुड़ी अन्य खबरों के लिए यहां क्लिक करें सीएम ने एक्स पर शेयर किया पोस्ट सीएम सम्राट चौधरी ने साइंस कॉलेज पहुंचने पर वहां की तस्वीरों को एक्स पर शेयर किया. उन्होंने लिखा था, ह्यपटना साइंस कॉलेज एवं पटना कॉलेजिएट स्कूल का भ्रमण कर शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. साथ ही, पटना कॉलेजिएट स्कूल की शैक्षणिक और आधारभूत संरचना को और अधिक सुदृढ़ कर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी आवश्यक पहल की जा रही है

30 दिन में काम नहीं हुआ तो 31वें दिन होंगे सस्पेंड, सम्राट चौधरी ने अफसरों को दी चेतावनी

हर महीने के आखिरी रविवार को मनेगा 'पंचायत विकास दिवस'

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुंगेर से पंचायत विकास दिवस की शुरूआत करते हुए अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी. उन्होंने कहा कि 30 दिनों के भीतर जनता का काम पूरा नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी. बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने काम में ढिलाई और लापरवाही बरतने वाले सरकारी अधिकारियों को चेतावनी दी है. मुंगेर के टेटिया बंबर स्थित जगन्नाथ उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि अगर किसी भी अफसर ने जनता के काम को 30 दिनों के भीतर पूरा नहीं किया, तो दोषी पाए जाने पर 31वें दिन उस अफसर को सस्पेंड कर दिया जाएगा. अब भ्रष्ट और कामचोर अफसरों को कोई भी आगे आकर बचा नहीं पाएगा. इस पूरी व्यवस्था की सीधी मॉनिटरिंग

खुद राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी स्तर पर की जा रही है. हर महीने का आखिरी रविवार होगा पंचायत दिवस मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि अब से हर महीने के आखिरी रविवार को बिहार की सभी 8.5 हजार पंचायतों में पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया जाएगा. इस खास दिन पर क्षेत्र के सांसद, विधायक, मुखिया, और वार्ड सदस्य एक साथ चौपाल पर बैठेंगे. इस बैठक का मुख्य मकसद गांवों से गरीबी मिटाना, शिक्षा का स्तर सुधारना, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना और बुजुर्गों की पेंशन जैसे जरूरी मुद्दों पर तुरंत फैसला लेकर ऑन-द-स्पॉट कार्रवाई करना होगा. पंचायतों का बजट ढाई गुना बढ़ा बिहार के गांवों के विकास को रफ्तार देने के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है. 17वें वित्त आयोग के जरिए बिहार की पंचायतों का बजट 20000 करोड़ रुपये से भारी-भरकम बढ़ोतरी के साथ सीधे 52000 करोड़ रुपये कर दिया गया है. इसके अलावा, मनरेगा की जगह अब विकसित भारत जी-राम-जी अभियान चलाया जाएगा, जिससे बिहार को 70000 करोड़ रुपये तक की बड़ी राशि मिलेगी. बिजली के क्षेत्र में भी एक नई नीति लागू की जा रही है. इसके तहत अगर कोई गरीब परिवार अपने घर पर सोलर पैनल लगाता है और 125 यूनिट से ज्यादा बिजली का उत्पादन करता है, तो सरकार उस अतिरिक्त बिजली के बदले सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करेगी. महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जीविका दीदियों को गौ-पालन के लिए बिल्कुल मुफ्त में गाय दी जाएगी और उनसे दूध खरीदने की जिम्मेदारी भी सरकार खुद उठाएगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें अंगिका भाषा में पूछा हाल तो गूंज उठा मैदान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तारापुर और मुंगेर की जनता के प्रति अपना आभार व्यक्त किया. मंच से जनता से जुड़ने के लिए उन्होंने स्थानीय अंगिका में पूछा, ह्लतो तोय सब ठीक छो न? ठीक छो न कि?ह्व सीएम के मुंह से अपनी स्थानीय भाषा सुनते ही पूरा मैदान काफी देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा.

बिहार के इन 24 जिलों में आज गरज-चमक के साथ तेज बारिश का अलर्ट, 50 KMPH की रफ्तार से चलेगी हवा

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम विभाग की तरफ से आज डबल अलर्ट जारी किया गया है. 24 जिलों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना जताई गई है. बिहार में आज से अगले तीन दिनों तक मौसम बिगड़े रहने की संभावना जताई गई है. कई जिलों में आज डबल अलर्ट जारी किया गया है. 11 जून को ही राज्य में मॉनसून की एंट्री हो गई थी. लेकिन इसके बाद यह कमजोर पड़ गया. उत्तर बिहार के जिलों में हल्की बारिश दर्ज की जा रही लेकिन दक्षिण बिहार में अब भी हीट वेव जैसी स्थिति बनी हुई है. इन 24 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी बिहार के जिन 24 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, उनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण,

शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, जमुई और बांका शामिल है. इन जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है. इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने बाकी के 14 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. इनमें से बक्सर, कैमूर और रोहतास जिले में हीट वेव के साथ बारिश की भी संभावना जताई गई है. इनमें से रोहतास जिले में भारी बारिश हो सकती है. इसके अलावा किशनगंज, कटिहार और भागलपुर में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. इस तरह से बिगड़े मौसम में लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है. अगले कुछ दिनों तक कैसा रहेगा मौसम? मौसम विभाग की माने तो आज से तीन दिनों यानी कि 1 जुलाई तक इसी तरह का मौसम जिलों में बना रह सकता है. तेज धूप और तपिश वाली गर्मी से राहत तो नहीं मिलेगी. लेकिन इस दौरान कभी-कभी तेज हवा के साथ बारिश दर्ज की जा सकेगी. 30 जून और 1 जुलाई को भी बिहार में डबल अलर्ट ही जारी किया गया है. 30 जून को सीमांचल इलाके के जिलों में तेज बारिश जबकि 1 जुलाई को दक्षिण बिहार के जिलों में तेज बारिश का पूर्वानुमान है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें

बिहार में कब तक एक्टिव हो सकता है मॉनसून? राज्य में मॉनसून के एक्टिव होने को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव का क्षेत्र और मॉनसूनी ट्रफ बिहार की तरफ बढ़ रहा है. इससे संभावना है कि अगले 2 से 4 दिनों में मॉनसून पूरे राज्य में एक्टिव हो सकता है. इसके बाद जिलों में मॉनसून वाली बारिश शुरू हो जाएगी.

लखीसराय मौसम.आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट, तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट के आसार

पटना (एजेंसी) लखीसराय जिले में सोमवार को आंधी-तूफान, वज्रपात और बारिश की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे नहीं रुकने की अपील की है. मौसम में बदलाव से तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है. लखीसराय से अजीत सिंह की रिपोर्ट लखीसराय समेत आसपास के जिलों में मानसून अब सक्रिय होता नजर आ रहा है. सोमवार की सुबह रुक-रुक कर हुई बारिश से लोगों को आंशिक राहत मिली, लेकिन हवा नहीं चलने के कारण उमस बरकरार रही. मौसम विभाग के अनुसार दोपहर बाद जिले में तेज आंधी, वज्रपात और बारिश होने की पूरी संभावना है. खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. अधिकांश समय बादलों से ढका रहेगा आसमान मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार सोमवार को पूरे दिन

अधिकांश समय आसमान में बादल छाए रहेंगे. दोपहर बाद मौसम के अचानक बदलने और तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून की सक्रियता के कारण अगले कुछ दिनों तक ऐसे ही मौसम बने रहने के आसार हैं. वज्रपात को लेकर जारी की गई चेतावनी बारिश के साथ वज्रपात की भी आशंका जताई गई है. लोगों को सलाह दी गई है कि बिजली चमकने के दौरान खुले मैदान, खेत, ऊंचे स्थान और पेड़ों के नीचे शरण न लें. आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित भवनों के अंदर रहें और मौसम सामान्य होने के बाद ही बाहर निकलें. तापमान में आएगी गिरावट, उमस से मिल सकती है राहत सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. तेज बारिश और आंधी के प्रभाव से तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है. किसानों की बढ़ी चिंता मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवा और बारिश का असर खेतों में खड़ी फसलों पर पड़ सकता है.

बिहार में तेज हुआ बंगला विवाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का अगला ठिकाना कहां?

पटना (एजेंसी) डेडलाइन के साथ 10 सर्कुलर रोड का बंगला फिर चर्चा में है. सामान की शिफ्टिंग तेज हो गई है, लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर बंगला खाली करने की घोषणा नहीं हुई है. भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को कई बार नोटिस जारी किया था. आखिरी नोटिस 22 जून को दिया गया, जिसमें 29 जून तक बंगला खाली करने को कहा गया. हालांकि रविवार सुबह तक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) या लालू परिवार की ओर से बंगला खाली करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था. बंगले से लगातार हटाया जा रहा सामान पिछले दो दिनों से 10, सर्कुलर रोड स्थित आवास से सामान शिफ्ट करने का काम तेजी से चल रहा है. घरेलू सामान ट्रकों और पिकअप वैन के जरिए कौटिल्य नगर स्थित लालू परिवार के नए मकान

और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास तक पहुंचाया जा रहा है. बंगले पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी हटाए जा चुके हैं. इससे माना जा रहा है कि परिवार ने आवास खाली करने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है. 39 हार्डिंग रोड नहीं, नए घर में जाने की तैयारी भवन निर्माण विभाग के अनुसार, राबड़ी देवी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में 25 नवंबर 2025 को 39, हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास

आवंटित किया गया था. वहीं 10, सर्कुलर रोड का आवंटन मंत्री नंद किशोर राम के नाम किया जा चुका है. सूत्रों के मुताबिक लालू परिवार 39 हार्डिंग रोड जाने के बजाय कौटिल्य नगर स्थित अपने नए मकान में शिफ्ट होने की तैयारी कर रहा है, क्योंकि वहां निर्माण कार्य अंतिम चरण में है. सीएम सम्राट चौधरी ने साधा था निशाना इस पूरे बंगला विवाद पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहले ही लालू परिवार पर निशाना साध चुके हैं. उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र में सरकारी संपत्ति किसी की निजी विरासत नहीं हो सकती. उन्होंने बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा था कि कुछ लोगों को मां के लिए अलग और बेटे के लिए अलग सरकारी आवास चाहिए, लेकिन बिहार में राजशाही नहीं, लोकतंत्र चलता है.

नेपाल की बाढ़ चेतावनी के बीच कोसी बराज पर मेंटेनेंस से बढ़ी चिंता, पीक मानसून में काम पर उठे सवाल

पटना (एजेंसी) नेपाल ने 30 जून और 1 जुलाई को अत्यधिक बारिश और अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है. इसी बीच कोसी बराज के फाटकों पर चल रहे पेंटिंग और मेंटेनेंस कार्य ने सीमांचल और कोसी क्षेत्र के लाखों लोगों की चिंता बढ़ा दी है. सवाल उठ रहे हैं कि जब मानसून अपने चरम पर है और नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, तब आखिर कोसी बराज पर बड़े पैमाने पर मेंटेनेंस कार्य क्यों कराया जा रहा है? नेपाल सरकार के जल एवं मौसम विज्ञान विभाग की ओर से भारी बारिश और अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी होने के बाद बिहार-नेपाल सीमा से जुड़े इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गयी है. इस बीच सुपौल जिले के वीरपुर स्थित कोसी बराज के 56 फाटकों पर चल रहे पेंटिंग और मेंटेनेंस कार्य को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी और चिंता बढ़ गयी है. ग्रामीणों और तटबंध के

भीतर रहने वाले लोगों का कहना है कि जून से सितंबर के बीच का समय कोसी के लिए सबसे संवेदनशील होता है. ऐसे में फाटकों पर इस तरह का कार्य किसी बड़े जोखिम को जन्म दे सकता है. नेपाल की चेतावनी ने बढ़ायी चिंता नेपाल सरकार ने आगामी 30 जून और 1 जुलाई को अत्यधिक वर्षा और फ्लैश फ्लड की आशंका जतायी है. कोसी नदी का उद्गम नेपाल में होने के कारण वहां होने वाली भारी बारिश का सीधा असर बिहार के सीमावर्ती जिलों पर पड़ता है. नेपाल की बाढ़ चेतावनी नेपाल की चेतावनी के बाद सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया समेत कोसी क्षेत्र के लोग पहले से ही सतर्क हैं. ऐसे में बराज पर चल रहे मेंटेनेंस कार्य ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है. 20 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है मेंटेनेंस जानकारी के अनुसार कोसी बराज के 56 फाटकों के रखरखाव, रंग-रोगन और अन्य यांत्रिक कार्यों का पांच वर्षीय ठेका त्रिकला इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पटना को लगभग 20.60 करोड़ रुपये में दिया गया है. वर्तमान में बराज के फाटकों पर सैंड ब्लास्टिंग, प्राइमर और पेंटिंग का कार्य चल रहा है. कार्य के दौरान निर्माण सामग्री बराज पुल पर रखी जा रही है, जिससे पुल का लगभग आधा हिस्सा बाधित हो गया है. राष्ट्रीय राजमार्ग-57 पर बढ़ रही परेशानी कोसी बराज का पुल बिहार और नेपाल को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण लाइफलाइन माना जाता है. यह राष्ट्रीय राजमार्ग-57 का हिस्सा है और प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण सामग्री के कारण पुल पर अक्सर जाम की स्थिति बन रही है. इससे आम लोगों, व्यापारियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लगातार बढ़ रहा कोसी का जलस्तर इधर कोसी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. सोमवार सुबह आठ बजे कोसी बराज पर 85,830 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया, जिसके लिए नौ फाटक खोले गये हैं. इससे पहले 22 जून को जलप्रवाह बढ़कर 1,86,385 क्यूसेक तक पहुंच गया था. ऐसे में नदी कब विकराल रूप धारण कर ले, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है. लोगों ने उठाये सवाल, पीक मानसून में काम रोकने की मांग ग्रामीणों और तटबंध के भीतर रहने वाले लोगों का कहना है कि कोसी बराज के फाटकों का मेंटेनेंस अक्टूबर से मार्च के बीच कराया जाना चाहिए, जब नदी का जलप्रवाह सामान्य रहता है. लोगों का तर्क है कि जून से सितंबर तक के पीक मानसून सीजन में सभी फाटक पूरी तरह संचालन योग्य स्थिति में रहने चाहिए और बराज पुल को निर्माण सामग्री से मुक्त रखा जाना चाहिए. ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के दौरान यदि एक भी फाटक तकनीकी खराबी के कारण प्रभावित हुआ, तो सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया जैसे जिले गंभीर संकट में पड़ सकते हैं. यांत्रिक प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अंकित कुमार का कहना है कि निर्धारित मानकों के तहत बाढ़ अवधि में भी कुछ कार्य किये जा सकते हैं. उन्होंने बताया कि यदि कैनाल संचालित नहीं हो रहा हो, तो सैंड ब्लास्टिंग और अन्य कार्य किये जाते हैं. लगातार बारिश होने की स्थिति में पेंटिंग का कार्य रोक दिया जाता है. हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बाढ़ के दौरान पूरी पेंटिंग प्रक्रिया पूरी कर पाना हमेशा संभव नहीं होता और एक फाटक पर काम पूरा करने में करीब 10 दिन लगते हैं.

मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन

सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजें सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली: 100 ग्राम
बादाम: 50 ग्राम
घी: 2 चम्मच
दूध: 1 कप
चीनी: स्वादानुसार
इलायची पाउडर: 1 चुटकी
विधि
मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।

गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

सामग्री
मूंगफली: 100 ग्राम
काजू: 50 ग्राम
आलू: 2 उबले हुए
हरी मिर्च: 1 बारीक कटी हुई
अदरक पेस्ट: 1 चम्मच
नमक: स्वादानुसार
तेल: टिक्का तलने के लिए
विधि मूंगफली और काजू को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और नमक मिलाकर टिक्की का मिश्रण तैयार करें। टिक्की का आकार देकर तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमागरम टिक्का हरी चटनी के साथ परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद: 2 उबले हुए
मूंगफली: 50 ग्राम भुनी हुई
हरा धनिया: 1 चम्मच
नींबू का रस: 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला: स्वादानुसार
विधि
शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली: 1 कप
शहद: 1 चम्मच
तेल: 1 चम्मच (ऑप्शनल)
विधि
मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि

घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

आम की गुठली से बनाएं टेस्टी और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक
करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकाले। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्किन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइस को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।

किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती है। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी
उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका
कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-

सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।

अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।

अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी को डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज या बहुत ज्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिक ना आजमाएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना जरूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार अंतिम-16 में बनाई जगह

एजेंसी

इंगलवुड : सह-मेजबान कनाडा ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में रविवार को दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया। कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में शानदार लंबी दूरी का गोल दागकर अपनी टीम को पहली बार विश्व कप के अंतिम-16 में पहुंचाया। मुकाबला पूरे समय बेहद कड़ा और रोमांचक रहा। दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी स्टॉपेज टाइम में यूस्टाकियो ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स के हाथों से दूर नेट में पहुंचा दिया।

गोल खाने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने बराबरी के लिए अंतिम मिनटों में पूरी ताकत लगा दी, लेकिन कनाडा की रक्षा पंक्ति ने सभी प्रयास विफल कर दिए और टीम ने 1-0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श ने मैच के बाद खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों की मेहनत और तय रणनीति पर भरोसा रखा, जिसका परिणाम उन्हें इस ऐतिहासिक सफलता के रूप में मिला। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कनाडा को हाफ टाइम से ठीक पहले बढ़त लेने का शानदार मौका मिला, लेकिन मोइज बॉम्बिटो का हेडर गोल लाइन से साफ कर दिया गया, जबकि ताजोन बुकेनन का प्रयास गोलकीपर विलियम्स ने रोक लिया। इसके बाद रिची लारिया के पेनल्टी की अपील को वीएआर समीक्षा के बाद भी खारिज कर दिया गया। दूसरे हाफ में कनाडा लगातार आक्रामक रहा। टानी ओलुवासेयी और जोनाथन डेविड भी गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के रक्षकों ने शानदार बचाव किया। आखिरकार स्टॉपेज टाइम में यूस्टाकियो के विजयी गोल ने मुकाबले का फैसला कर दिया। अब कनाडा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए 4 जुलाई को ह्यूस्टन में नीदरलैंड्स या मोरक्को में से किसी एक टीम से भिड़ेगा।

संक्षिप्त स्कोर : कनाडा 1 (स्टीफन यूस्टाकियो) ने दक्षिण अफ्रीका 0 को हराया।

आमिर जंगू के दोहरे शतक और रोच के 300 टेस्ट विकेट से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से रौंदा

एजेंसी

एंटीगा : वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 217 रन के विशाल अंतर से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के चौथे दिन रविवार को वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका की दूसरी पारी केवल 101 रन पर समेट दी। इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने शानदार 120 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि दिनेश चांडीमल ने 54 रन और नुवांडी फर्नांडो ने 84 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स ने तीन विकेट लिए। जवाब में वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 626/9 पर पारी घोषित की। विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने करियर का पहला

दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन बनाए, जबकि कप्तान रोस्टन चेज ने 194 रन की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की बड़ी पारियों की बदौलत मेजबान टीम ने 318 रन की बढ़त हासिल की। चौथे दिन श्रीलंका ने 15/1 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन उसकी शुरूआत बेहद खराब रही। दिन के पहले ही ओवर में केमार रोच ने निशान मदुश्का को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवॉचमैन कासुन राजिथा को स्लिप में कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। कमिंदु मेंडिस और दिनेश चांडीमल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंदु मेंडिस शमर जोसेफ की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद पहली पारी में शतक लगाने वाले कप्तान धनंजय डी सिल्वा भी एलबीडब्ल्यू आउट होकर लौट गए। श्रीलंका ने जल्द ही आधी टीम गंवा दी। केमार रोच ने कुसल मेंडिस को भी बोल्ड कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका, लेकिन खेल शुरू होते ही वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। दोपहर के भोजन के बाद रोच ने लगातार गेंदों पर दिनेश चांडीमल और मिलान रत्नायके के विकेट लेकर मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया। इसके बाद असिता फर्नांडो को बोल्ड कर रोच ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के केवल पांचवें गेंदबाज बने। अंतिम विकेट जेडन सील्स ने लेकर श्रीलंका की पारी समाप्त की और वेस्टइंडीज को कप्तान रोस्टन चेज की अगुवाई में पहली टेस्ट जीत दिलाई। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट इसी मैदान पर शुक्रवार से खेला जाएगा।

यूएस ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत

एजेंसी

फुलर्टन : भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूनामेंट जीतने का सपना अधूरा रह गया। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को उन्हें चीनी ताइपे के सू ली-यांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह युवा प्रतिद्वंद्वी की तेज रफ्तार और आक्रामक खेल का जवाब नहीं दे सके। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में श्रीकांत 15-21, 21-16, 9-21 से पराजित हुए। 33 वर्षीय श्रीकांत इस सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। मुकाबले की शुरूआत उन्होंने अच्छी की, लेकिन कुछ अनावश्यक गलतियों का फायदा उठाकर सू ली-यांग ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार नेट प्ले और दमदार स्मैश का प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखी और 21-16 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में सू ली-यांग ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार बढ़त बनाते हुए श्रीकांत पर दबाव बनाए रखा। ब्रेक तक उन्होंने चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद श्रीकांत वापसी नहीं कर सके और सू ली-यांग ने मैच जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। इस हार के बावजूद श्रीकांत का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के युदाई ओकिमोटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले वर्ष भी वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में उपविजेता रहे थे।

ब्रिटेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एमा राडुकानू ने स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण विंबलडन से नाम वापस लिया

एजेंसी

लंदन : ब्रिटेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी और 2021 यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू ने दाहिने पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण विंबलडन 2026 से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने टूनामेंट के पहले दौर का मुकाबला शुरू होने से महज एक दिन पहले यह फैसला लिया, जिससे घरेलू दर्शकों को बड़ा झटका लगा। राडुकानू को सोमवार को नंबर-1 कोर्ट पर एंटोनिया रुज़िक के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलना था, लेकिन रविवार देर शाम इंस्टाग्राम पर उन्होंने टूर्नामेंट से हटने की घोषणा कर दी।

उन्होंने बताया कि क्वींस क्लब चैंपियनशिप के दौरान लगी चोट के बावजूद वह लगातार खेलने की कोशिश कर रही थीं। हालांकि अंतिम मेडिकल स्कैन में यह चोट स्ट्रेस फ्रैक्चर में बदल गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें आगे खेलने से मना कर दिया। राडुकानू ने कहा कि विंबलडन में घरेलू दर्शकों के सामने खेलना मेरे लिए बेहद खास है। इसलिए यह फैसला लेना मेरे लिए बहुत कठिन है। मैंने खेलने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन मेडिकल सलाह के बाद अब आगे खेलना संभव नहीं है। राडुकानू ने बताया कि चोट की शुरूआत क्ले कोर्ट सीजन के दौरान हुई थी, जो ग्रास कोर्ट सीजन में और गंभीर हो गई। लगातार मैच खेलने के कारण पैर पर अधिक दबाव पड़ा और अंततः उन्हें विंबलडन से हटने का फैसला लेना पड़ा। राडुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में क्वालीफायर के रूप में 2021 यूएस ओपन जीतकर इतिहास रचा था। हालांकि, इसके बाद वह कोई डब्ल्यूटीए टूर खिताब नहीं जीत सकीं, लेकिन इस महीने क्वींस क्लब में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची थीं, जहां उन्हें डोना वेकिच से हार का सामना करना पड़ा।

आयरलैंड के मुख्य कोच हेनरिक मलान ने दिया तत्काल प्रभाव से इस्तीफा

एजेंसी

डबलिन : भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में जीत दिलाने के महज एक दिन बाद आयरलैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हेनरिक मलान ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। उनकी नियुक्ति 2027 की शुरूआत तक थी, लेकिन उन्होंने टीम को नए विश्व कप चक्र के लिए तैयार करने के उद्देश्य से पद छोड़ने का फैसला किया। 45 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी कोच को जनवरी, 2022 में आयरलैंड की पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। बाद में 2024 में उनके अनुबंध का विस्तार किया गया था। उनके कार्यकाल में आयरलैंड ने लगातार तीन टी-20 विश्व कप (2022, 2024 और 2026) के लिए क्वालीफाई किया। मलान के नेतृत्व में आयरलैंड ने

2022 टी-20 विश्व कप में मेलबर्न में इंग्लैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके अलावा टीम ने अपने इतिहास की अब तक की तीनों टेस्ट जीत भी उनके कार्यकाल में दर्ज की। अपने इस्तीफे के बाद मलान ने कहा कि आयरलैंड क्रिकेट से जुड़ना उनके लिए सम्मान की बात रही और वह यहां बिताए समय को हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि टीम के साथ इंग्लैंड पर विश्व कप जीत, अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट जीतना, जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू टेस्ट जीत, भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी-20 सीरीज जीत तथा पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों पर मिली सफलताएं उनके करियर की यादगार उपलब्धियां रहेंगी। हाल ही में आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी-20 मैच में एक रन से हराकर सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी। यह पहली बार था जब आयरलैंड ने किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज जीती।

झारखंड की तीन बेटियां भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में चयनित, इंग्लैंड-स्कॉटलैंड दौरे पर करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

रांची : झारखंड की महिला हॉकी ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राजधानी रांची स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बरियातू हॉकी सेंटर की तीन होनहार खिलाड़ी बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद का चयन भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में हुआ है। तीनों खिलाड़ी 5 से 14 जुलाई तक होने वाले इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम इस दौरे के दौरान कुल सात अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी।

यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का यह अवसर खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और अपने खेल को और निखारने का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है। बरियातू हॉकी सेंटर लंबे समय से झारखंड में महिला हॉकी प्रतिभाओं को तैयार करने का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी पहले भी भारतीय टीम तक अपनी जगह बना चुकी हैं। एक साथ तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन सेंटर की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बरियातू हॉकी सेंटर लगातार भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दे रहा है, जो झारखंड में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं के प्रभावी विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगी। उनके चयन से राज्य के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और झारखंड में महिला हॉकी को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

संक्षिप्त खबरें

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप : क्वार्टर फाइनल में हांगकांग से हारा भारत, टीम स्पर्धा से बाहर

जापान : बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सोमवार को खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने मुकाबले की शानदार शुरूआत की। पहले सेट में देव रूपारेलिया और तन्वी पात्री के दमदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने शुरूआती दो मुकाबलों के बाद 22-12 की बढ़त बना ली। इसके बाद युगल खिलाड़ियों ने भी लय बरकरार रखी और भारत ने पहला सेट 55-44 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में हांगकांग ने शानदार वापसी की। कैन यी हेई ने देव रूपारेलिया को 11-8 से हराया, जबकि आईपी सम याउ ने बढ़त को 22-16 तक पहुंचा दिया। भारतीय युगल जोड़ी अंतर कम नहीं कर सकी और हांगकांग ने दूसरा सेट जीतकर मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में एक बार फिर रूपारेलिया ने चान को 11-9 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन आईपी ने स्कोर 22-21 कर दिया। इसके बाद ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया की मिश्रित युगल जोड़ी ने चेउंग साई शिंग और विंग ची चू के खिलाफ 11-11 से मुकाबला समाप्त कर भारत को 33-32 की मामूली बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद तन्वी रेड्डी आंदलुरी और बरुणी पार्शवाल की जोड़ी चू और यी किउ यू से 5-11 से हार गई। इसके बाद भारतीय टीम वापसी नहीं कर सकी और हांगकांग ने निर्णायक सेट 55-43 से जीतकर भारत को टूनामेंट से बाहर कर दिया। बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप का 26वां संस्करण दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। 26 से 30 जून तक मिश्रित टीम स्पर्धा खेली जा रही है, जबकि 1 से 5 जुलाई तक व्यक्तिगत मुकाबले होंगे। इस बार टीम स्पर्धा रिले प्रारूप में खेली गई, जिसमें 110 अंक हासिल करने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाता है। अब भारतीय खिलाड़ियों की नजर व्यक्तिगत स्पर्धा पर होगी, जहां तन्वी पात्री और अभिनव गर्ग समेत 19 सदस्यीय भारतीय टीम पदक जीतने के इरादे से चुनौती पेश करेगी।

एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम को केंद्रीय खेलमंत्री ने किया सम्मानित

गांधीनगर : केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप 2026 में भारत को पहला ऐतिहासिक पदक दिलाने वाली भारतीय टीम को सम्मानित किया। भारत ने इस प्रतियोगिता में पहली बार कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी दल को बधाई देते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि यह पदक भारतीय वॉलीबॉल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसे केवल शुरूआत मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर सफलता के साथ नई जिम्मेदारियां और बड़ी अपेक्षाएं जुड़ती हैं तथा सरकार की प्रत्येक नीति, निवेश और प्रयास खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू सरजमीं पर एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप में भारत का पहली बार पदक जीतना देश में वॉलीबॉल के लगातार विकास और बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय सुविधाओं, प्रशिक्षण और समर्थन ने टीम को केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर दिया। डॉ. मांडविया ने कहा कि केंद्र सरकार खेल अकादमियों के विकास, प्रतिभा खोज, खेल विज्ञान, खिलाड़ियों के कल्याण और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। उनका विश्वास है कि भारतीय टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि देशभर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी और वॉलीबॉल के विकास को नई दिशा देगी। इस वर्ष पहली बार भारत ने एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप की मेजबानी की। भारतीय टीम ने पूरे टूनामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल चरण में एक भी मैच नहीं गंवाया और एशिया की मजबूत टीमों के खिलाफ दमदार खेल दिखाया। तीसरे स्थान के मुकाबले में भारत ने बहरीन को 3-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। यह एवीसी पुरुष वॉलीबॉल कप के इतिहास में भारत का पहला पदक और अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय टीम के कप्तान जेरोम विनिथ चार्ल्स ने सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक पदक पूरे देश को समर्पित है। मुख्य कोच ड्रागन मिहाइलोविच ने भी भारतीय खेलों के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि यही गति बनी रही तो भारत भविष्य में हर बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में नियमित रूप से पदक जीतने में सक्षम होगा। भारत की इस सफलता का असर विश्व रैंकिंग पर भी पड़ा। कांस्य पदक से मिले महत्वपूर्ण अंकों के चलते भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम विश्व रैंकिंग में 18 स्थान की छलांग लगाकर 60वें स्थान से 42वें स्थान पर पहुंच गई, जिससे वैश्विक वॉलीबॉल में भारत की स्थिति और मजबूत हुई।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 से क्रिकेट की वापसी के लिए क्वालिफिकेशन और टूर्नामेंट प्रारूप घोषित

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 (एलए28) में क्रिकेट की ऐतिहासिक वापसी के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया और टूर्नामेंट के प्रारूप की आधिकारिक घोषणा कर दी है। क्रिकेट 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी करेगा और पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में टी-20 प्रारूप में मुकाबले खेले जाएंगे। प्रत्येक वर्ग में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया से कम से कम एक-एक टीम की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पांच टीमें मौजूदा आईसीसी प्रतियोगिताओं और टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वालिफाई करेंगी, जबकि अंतिम स्थान के लिए आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर 2027 का आयोजन किया जाएगा। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 के प्रदर्शन के आधार पर ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड), भारत और दक्षिण अफ्रीका ने एलए28 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन हासिल कर लिया है। ये टीमें अपने-अपने महाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ पात्र टीमों के रूप में चुनी गईं। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि वेस्टइंडीज एक संयुक्त क्रिकेट इकाई है और आईओसी द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) नहीं है। ऐसे में वेस्टइंडीज सीधे ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सकेगा। यदि उसकी टीम रैंकिंग के आधार पर पात्र होती है, तो कैरेबियाई देशों के बीच अलग क्वालिफायर आयोजित होगा, जिससे तय होगा कि कौन-सा देश आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर 2027 में खेलेगा। मेजबान अमेरिका को पुरुष और महिला दोनों वर्गों में ओलंपिक में खेलने का मौका मिल सकता है, लेकिन इसके लिए उसे 30 जून से 31 दिसंबर के बीच किसी भी समय आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शीर्ष-15 के भीतर रहना होगा। यदि अमेरिका यह शर्त पूरी नहीं कर पाता है, तो उसका स्थान रैंकिंग के आधार पर दूसरी टीम को दिया जाएगा। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में आठ-आठ टीमें आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर 2027 खेलेंगी। इसमें पहले से क्वालिफाई कर चुकी टीमों को छोड़कर रैंकिंग के आधार पर शीर्ष सात टीमें और एक अतिरिक्त पात्र टीम शामिल होगी।

जान जोखिम में डाल बुलडोजर से नाला पार, हेल्थ वर्कर ने बच्चों तक पहुंचाई पोलियो खुराक

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के जनजातीय जिला लाहुल स्पीति में स्वास्थ्य कार्यकर्ता पलजोम बुट्टी ने कर्तव्यनिष्ठा और साहस की अनूठी मिसाल पेश की है। बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने के लिए, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर एक उफनते नाले को पार किया। यह घटना राष्ट्रीय सघन पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के दौरान तिगरट बूथ पर घटी, जहां पलजोम ने विषम परिस्थितियों में भी अपना दायित्व निभाया। पहाड़ों में बढ़ते तापमान के कारण लाहुल घाटी के नदी-नाले इन दिनों पूरे उफान पर हैं, और तिगरट का नाला भी इसी कारण पार करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। कोई सुरक्षित साधन न होने पर, पलजोम ने हिम्मत दिखाई और एक बुलडोजर की मदद से उफनते नाले को पार किया। इस असाधारण प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ, जिसने पूरे देश व प्रदेश में उनकी सराहना की लहर पैदा कर दी। कठिनतम परिस्थितियों में भी बच्चों तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचाने का उनका समर्पण प्रेरणादायक है। स्थानीय निवासियों, जिनमें नोरबू, दीपक, टशी और तेंजिन डोलमा शामिल हैं, ने उनके जज्बे को सलाम किया और उनके समर्पण को सराहा। लाहुल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने भी पलजोम बुट्टी को समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद, पलजोम ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया है, जो हम सभी के लिए एक बड़ी सीख है।

पुलिस की सक्रियता से गुम हुआ बच्चा 48 घंटे के भीतर बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

लोहरदगा (एजेंसी)। लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के ननतिलो नावाटोली से पिछले 27 जुन को लापता हुए बच्चें को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सोमवार को कुडू व कैरो थाना क्षेत्र की सीमा से बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया।बच्चें के बरामदगी होने से परिजनों ने राहत की सांस ली।बताया जाता है कि ननतिलो नावाटोली निवासी सालोनी उरांव ने कुडू पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि मेरा 13 वर्षीय पुत्र राज अनुप उरांव 27 जुन की सुबह 10 बजें घर मे किसी को कुछ बताएं बगैर कही चला गया है।काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है।आवेदन मिलने के बाद थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बच्चे की खोजबीन शुरू किया।सोमवार को थाना प्रभारी अजीत कुमार को सूचना मिली कि इसी बच्चे की तरह दिखने वाला एक बच्चा तान पहाड़ी की तरफ देखा गया है।थाना प्रभारी ने खोजबीन के लिए दो अधिकारियों के साथ परिजनों को लेकर स्वयं निकल पड़े। सोमवार दोपहर लगभग दो बजे तान व हुदू गांव के बीच बच्चे को बरामद किया गया। बच्चें को लेकर पुलिस थाना पहुंची व कागजी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंप दिया।बच्चे की मां सालोनी उरांव ने बताया कि बच्चें के लापता होने के बाद दो दिनों से परिजन काफी परेशान थे।थाना प्रभारी अजीत कुमार की सक्रियता के बाद लापता बच्चे को 48 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया गया।

पोलियो खुराक के बाद दो बच्चियों की संदिग्ध मौत, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के विदिशा और झाबुआ जिलों में पल्स पोलियो अभियान के दौरान खुराक देने के बाद दो मासूम बच्चियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का दुखद मामला सामने आया है। दोनों ही घटनाएं रविवार की हैं, जहां परिजनों ने पोलियो ड्रॉप्स को ही बच्चियों की मौत की वजह बताया है। हालांकि, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर बताया है कि पोलियो की दवा पूरी तरह सुरक्षित है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। पहली घटना विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम मैनखेड़ी की है, जहां अनिल अहिरवार की बेटी मानसी को सुबह पोलियो की खुराक दी गई थी, जिसके कुछ घंटों बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। विदिशा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रामहित कुमार ने बताया कि उस बूथ पर मानसी के साथ उसकी बड़ी बहन सहित कुल 44 अन्य बच्चों को भी वही दवा पिलाई गई थी और सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। मौत की असली वजह जानने के लिए विसरा जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। दूसरी घटना झाबुआ जिले के कल्याणपुरा ब्लॉक की है, जहां सुनील डामोर की 11 माह की बेटी पूजा ने भी पोलियो ड्रॉप्स लेने के कुछ समय बाद दम तोड़ दिया। झाबुआ के सीएमएचओ डॉ. एमएल चोपड़ा के अनुसार, जिस शीशी से पूजा को दवा दी गई थी, उसी से 19 अन्य बच्चों को भी खुराक दी गई थी, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग दोनों मामलों की गहराई से जांच कर रहा है।

उत्तराखंड: धामी सरकार का श्रमिकों को बड़ा तोहफा, डीबीटी के माध्यम से खातों में 93 करोड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने राज्य के गरीब और श्रमिक परिवारों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने दलालों और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे मजदूरों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता राशि भेजनी शुरू की है। पिछले एक साल के भीतर श्रम कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य के 24,323 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में कुल 93.06 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो चुके हैं। हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी की मौजूदगी में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा 4,400 से अधिक श्रमिकों को करीब 11 करोड़ रुपये की राशि बिना किसी विलंब के सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई। यह आर्थिक मदद असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों की रोजमर्रा और आपातकालीन जरूरतों को ध्यान में रखकर दी जा रही है।इसमें बेटियों की शादी, परिवार के सदस्य की मृत्यु पर सहायता, महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप शामिल है, जिससे संकट के समय इन्हें ऊंचे ब्याज पर कर्ज न लेना पड़े। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखकर मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि मजदूरों को पंजीकरण या लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन खुद उनके पास पहुंचे।इसके लिए निर्माण स्थलों के पास वर्कप्लेस वेलफेयर कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां श्रमिकों का पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिल रहा है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आधुनिक तकनीक और सख्त डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया है, जिससे फर्जीवाड़ा पूरी तरह रुक गया है और सरकारी सहायता बिना किसी कटौती के सिर्फ वास्तविक हकदारों तक पहुंच रही है।

मनरेगा के नए मॉडल से राज्यों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

-जयराम ने वीबी जी-रामजी योजना को संघीय ढांचे पर प्रहार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर प्रस्तावित विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी-रामजी योजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नई व्यवस्था से राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इससे देश के संघीय ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित और अधिकार-आधारित रोजगार गारंटी योजना थी, जबकि नई व्यवस्था आवंटन-आधारित योजना के रूप में काम करेगी। उनके अनुसार प्रस्तावित मॉडल में कुल व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत खर्च राज्यों को उठाना होगा। जयराम रमेश ने कहा कि जिस आवंटन फार्मूले को अपनाया जा रहा है, वहीं 16वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के बीच करों के बंटवारे के लिए इस्तेमाल किया गया था। उनका तर्क है कि यह फार्मूला राजस्व वितरण के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन व्यय वहन करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अनुदान व्यवस्था में कटौती और राज्यों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी डालने से पहले से ही कमजोर संघीय ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा किए बिना ही मनरेगा को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित कराया। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया। जयराम रमेश ने दावा किया कि कई राज्यों ने भी नई योजना को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उनके अनुसार मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने भी अतिरिक्त वित्तीय भार को लेकर चिंता व्यक्त की है। वहीं कुछ राज्यों ने कृषि सीजन के दौरान प्रस्तावित 'ब्लैकआउट अवधि' का विरोध किया है, जिसमें योजना के तहत काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि नई योजना के प्रभाव और उसके क्रियान्वयन को लेकर राज्यों की आशंकाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

जयपुर महिला का पाकिस्तानी आतंकियों से कथित संपर्क: एटीएस जांच में चौंकाने वाले खुलासे

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के वाटिका क्षेत्र से गिरफ्तार 36 वर्षीय बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के मामले में राजस्थान एटीएस की जांच में कई गंभीर और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। महिला पर पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क रखने का आरोप है, जिसकी गहन पड़ताल हो रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, महिला के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खातों की प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान सहित अन्य देशों से संचालित कई संदिग्ध प्रोफाइलों से संपर्क के संकेत मिले हैं। एटीएस का दावा है कि फेसबुक पर उसके अकाउंट की दोस्तों की सूची में बड़ी संख्या में विदेशी प्रोफाइल जुड़े हुए थे, जिसमें से कुछ की पहचान संदिग्ध खातों के तौर पर की जा रही है। जांच के दौरान कुछ इसतरह के नामों का खुलासा भी हुआ है, जिनका संबंध पूर्व में आतंकी गतिविधियों और प्रतिबंधित संगठनों से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि, एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि इन संपर्कों की तकनीकी और फोरेंसिक जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे। राजस्थान एटीएस के अनुसार, बबीता बीते दो वर्षों से कुछ विदेशी संपर्कों के संपर्क में थी। साइबर विशेषज्ञ उसके मोबाइल, सोशल मीडिया चैट और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की गहराई से जांच कर रहे हैं। कई डिलीट किए गए डेटा को पुन: प्राप्त करने के लिए फोरेंसिक साइंस लैब की मदद ली गई है, जो मामले की गंभीरता को दर्शाता है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को प्रभावित कर किसी संगठित 'लेडी स्लीपर सेल' नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा था। संदिग्ध संपर्कों और मोबाइल नंबरों का मिलान राष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा डेटाबेस से कराया जा रहा है, साथ ही 100 से अधिक सोशल मीडिया प्रोफाइलों की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी डिजिटल साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद से इस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे का पता लगाया जा सके।

दिल्ली में नई ईवी नीति 2026 घोषित: 1 जुलाई से लागू, प्रदूषण घटाने पर केंद्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 की घोषणा की है, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होकर 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ परिवहन वाली राजधानी बनाना है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पूरे देश में ईवी पर सबसे अधिक सब्सिडी और अन्य सुविधाएं देने वाला राज्य है।

यह नीति अगले चार वर्षों में 7,000 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष सरकारी निवेश आकर्षित करेगी, जबकि नागरिकों को कर छूट और ईवी अवसंरचना के माध्यम से लगभग 15,000 करोड़ का समग्र लाभ मिलेगा। नीति के तहत, सभी प्योर ईवी वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जाएगी। हालांकि, चार पहिया वाहनों के लिए यह छूट 30 लाख तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहनों पर लागू होगी।

इस नीति में दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया और ग्रामीण सेवा वाहनों सहित छोटे व्यावसायिक वाहनों को शामिल किया गया है। परिवहन आयुक्त निहारिका राय ने बताया कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े स्तर पर विकसित किया जाएगा, जिसके पहले चरण में मुख्य मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। निजी तौर पर चार्जिंग सुविधा विकसित करने के लिए डिस्कॉम को भी प्रोत्साहित किया गया है। नीति के तहत, ईवी पर ली जाने वाली सब्सिडी का लाभ उठाने के बाद वाहन को तीन साल तक किसी अन्य राज्य में पंजीकृत नहीं कराया जा सकेगा। दिल्ली सरकार के मंत्रियों, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने इस नीति को प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े विशेषज्ञों से राय लेकर तैयार किया गया है ताकि हर मुद्दे पर गंभीरता से काम हो सके। यह नीति दिल्ली को देश में ईवी अपनाने में अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के सरकार के प्रयासों को और गति देगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सिब्बल की कविता से गरमाई सियासत

-'राम को लूटा, देश को लूटा' शीर्षक कविता से केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक कविता साझा करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनकी टिप्पणी के बाद इस मुद्दे ने नया राजनीतिक रंग ले लिया है।

कपिल सिब्बल ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। ऐसे शासन को तोड़ देंगे, मिलकर देश को जोड़ देंगे। न दिलों का होगा बंटवारा, सबका देश है देश हमारा।÷ उन्होंने कविता की शुरुआत ÷इस सरकार को सत्ता से बाहर करें÷ जैसे शब्दों से करते हुए सरकार की नीतियों और शासन व्यवस्था पर सवाल उठाए। सिब्बल की यह काव्यात्मक प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा जारी है। अपनी कविता के माध्यम से उन्होंने कथित भ्रष्टाचार, जवाबदेही और सामाजिक एकता जैसे मुद्दों को एक साथ जोड़ते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि देश में विभाजन की राजनीति के बजाय सामाजिक सद्भाव और एकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिब्बल की यह टिप्पणी केवल एक साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि विपक्ष की ओर से सरकार के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक संदेश भी है। उनकी कविता में 'अच्छे दिन' के नारे और शासन की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल उठाए गए हैं। इधर, राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच भी जारी है। पुलिस इस प्रकरण में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच एजेंसियों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का बयान दर्ज किया है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है।

इस बीच, मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा है कि मामले पर निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार ही विचार किया जाएगा।

आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी: बेंगलुरु कोर्ट ने कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे को भेजा समन

-21 जुलाई, 2026 तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे और युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपद को समन जारी कर दिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने इस आपराधिक मानहानि शिकायत पर संज्ञान लेकर माना कि दोनों नेताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 356 के तहत मामला चलाने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। कोर्ट ने मामले को आपराधिक केस के रूप में दर्ज करने का आदेश देकर दोनों आरोपियों को 21 जुलाई, 2026 तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। हालांकि, पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने राज्य के पूर्व मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ आगे की कार्रवाई बंद की है।

यह मामला बेंगलुरु निवासी आरएसएस कार्यकर्ता ए. तेजस द्वारा दायर की गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अक्टूबर 2025 में आरोपियों ने जानबूझकर आरएसएस और उसके सदस्यों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया और मीडिया बयानों के जरिए संगठन की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया था। शिकायत के अनुसार, खड़गे ने मंत्री पद पर रहते हुए पत्र लिखकर आरएसएस को सरकारी खेल के मैदानों और शैक्षणिक संस्थानों का उपयोग करने से रोकने की मांग की थी, जिसे बाद में जानबूझकर मीडिया और सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। इसके अतिरिक्त, खड़गे द्वारा किए गए कुछ अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में संगठन के सदस्यों के खिलाफ अत्यधिक आपत्तिजनक और गरिमाहीन टिप्पणियां की गई थीं।

वहीं शिकायत में युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद के उस बयान का उल्लेख है, जिसमें उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान आरएसएस कार्यकर्ताओं पर अमर्यादित और अश्लील टिप्पणी की थी।

शिकायतकर्ता ने दलील दी कि ये सभी बयान पूरी तरह से झूठे, दुर्भावनापूर्ण और संगठन तथा उसके समर्थकों के सम्मान को ठेस पहुंचाने के इरादे से दिए गए थे। आरोपियों द्वारा अपने बयानों पर माफी न मांगने और उनके ऑनलाइन मौजूद रहने से संगठन की प्रतिष्ठा को लगातार नुकसान पहुंच रहा है, जिसके बाद अदालत ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

बिजली संकट: प्लांट ठप, 10 रुपये यूनिट के हिसाब से बिजली खरीद रही मान सरकार

लुधियाना (एजेंसी)। दशकों तक देश की हरित क्रांति में अग्रणी रहा पंजाब आज भीषण बिजली संकट से जूझ रहा है। गर्मियों के मौसम और धान की रोपाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकारी बिजली संयंत्रों की 6 इकाइयों के ठप होने से राज्य को नेशनल ग्रिड से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की अत्यधिक महंगी बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्थिति ने किसान, उद्योग और आम जनता सभी को बेहाल कर दिया है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है।

इस गंभीर संकट का मुख्य कारण सरकारी थर्मल प्लांटों की छह इकाइयों में आई तकनीकी खराबी है, जिससे राज्य में तत्काल 1,800 मेगावाट बिजली की कमी हुई है। लेहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट, जिसकी 920 मेगावाट क्षमता वाली चारों इकाइयां ठप पड़ी हैं, इस संकट का केंद्र बन गया है। यहां राख के अधिक जमाव और पुरानी तकनीकी कमियों को इसका जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके अलावा, रोपड़ प्लांट की 30 साल से अधिक पुरानी इकाइयां भी अपनी तय उम्र पूरी कर चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या वर्षों से रखरखाव और आधुनिकीकरण पर ध्यान न देने का परिणाम है, जिसने धीरे-धीरे राज्य को इस कगार पर ला खड़ा किया है।

मशीनी खराबी के साथ-साथ, मानवीय मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। बिजली निगम के लगभग 1,852 आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल ने मरम्मत और बहाली के कार्यों को धीमा किया है, जिससे संकट और गहरा गया। कृषि प्रधान पंजाब के लिए समय अत्यंत नाजुक है, क्योंकि धान की रोपाई के लिए निरंतर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। कई जिलों में हो रही भारी कटौती से किसानों की फसल उत्पादन और आय पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। वहीं, उद्योग जगत भी महंगी और अनिश्चित बिजली आपूर्ति से परेशान है। बढ़ती उत्पादन लागत और पड़ोसी राज्यों के मुकाबले बिगड़ती औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के कारण पंजाब में नए निवेश आकर्षित करना मुश्किल हो गया है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले एलजी सिन्हा ने की बाबा बर्फानी की पूजा

-3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से यात्रा होगी शुरू

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में शामिल हुए। इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को खत्म होगी। कुल 57 दिनों तक यह यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा।

प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी ज्यादातर तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इसे अगले दो से तीन दिनों में काम पूरा कर लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरनाथ यात्रा के लिए दो रुट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रुट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा बालटाल रुट। पहलगाम रुट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रुट है। यहां से पवित्र गुफा तक पहुंचने में आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं।

कैबिनेट फेरबदल की चर्चा के बीच पीएम मोदी की शीर्ष नौकरशाहों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट फेरबदल की तेज होती अटकलों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को विभागीय सचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इस महामंथन का मुख्य उद्देश्य नियमों में ढील, उदारीकरण और सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके।

यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को सेशेल्स की आधिकारिक यात्रा समाप्त कर दिल्ली लौट रहे हैं, और मंगलवार को इस ब्रीफिंग में शामिल होने वाले है। इसके पहले 21 मई को उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नियामक रोडमैप तैयार करने हेतु केंद्रीय मंत्रिपरिषद और केंद्रीय सचिवों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की थी।

बताया जा रहा है कि इस आगामी बैठक में उदारीकरण और सुधारों के अलावा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर खास ध्यान केंद्रित रहेगा। प्रत्येक सचिव को प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। उनसे पूछा जाएगा कि व्यापार और नागरिक जीवन को आसान बनाने के लिए उन्होंने उदारीकरण और सुधार एजेंडा लागू करने में क्या कदम उठाए हैं, आगे क्या कर सकते हैं और उनके क्या सुझाव हैं।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार केंद्र और राज्यों दोनों स्तरों पर विनियमन में ढील तथा सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इस दिशा में दो अहम समितियां कार्यरत हैं। इसमें से एक उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट सचिव और नीति आयोग सदस्य राजीव गाबा कर रहे हैं, जिसका गठन 19 अगस्त 2025 को किया गया था। यह समिति गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतियों की समीक्षा कर एक आधुनिक और जनहितैषी नियामक ढांचा तैयार करने का काम कर रही है। दूसरी समिति, एक टास्क फोर्स है, जिसका नेतृत्व बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक कर रहे हैं, जिसका गठन पिछले वर्ष हुआ था। कैबिनेट सचिवालय ने कुछ राज्यों में विनियमन सुधारों को बढ़ावा देने के लिए चयनित सचिवों की भी नियुक्ति की है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902